दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-138 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 09 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, महाराष्ट्र-गुजरात में रेड चेतावनी

सक्रिय हुआ मानसून, कई राज्यों में बाढ़, जलभराव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड सहित देश के कई राज्यों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले दो-तीन दिनों में पूरे देश को कवर कर लेगा। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के डिप्रेशन में बदलने और उसके बाद साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने से पूर्वी, मध्य और पश्चिमी भारत में बारिश की गतिविधियां तेज हो गई हैं। आईएमडी के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरी भारत में मानसून की स्थिति फिलहाल अनुकूल बनी हुई है। मानसून पूरे गुजरात में सक्रिय हो चुका है और राजस्थान के कई हिस्सों तक पहुंच गया है। इसके प्रभाव से कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में व्यापक वर्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात के कई इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और आने वाले दिनों में भी यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और येलो, ऑरेंज तथा रेड अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा है।मौसम विभाग के अनुसार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। 11 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।उत्तर प्रदेश के आगरा, इटावा और जालौन में सोमवार को भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

मुंबई हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा टला, रनवे पर आमने-सामने आए एयर इंडिया के 2 विमान

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार रात को एक बड़ा हादसा टल गया। यहां एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रनवे पर आमने-सामने आ गए थे। एयर इंडिया का विमान दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था और एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद रनवे से हटा नहीं था, जिससे बड़ी चूक हुई। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) के निर्देश पर एयर इंडिया ने समय पर अपनी उड़ान रोक दी थी।मुंबई हवाई अड्डे पर रात 10 बजे एयर इंडिया की उड़ान एआई-816 मुंबई से दिल्ली के लिए निर्धारित समय पर उड़ान भरने वाली थी और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान एआईएक्स-1547 उसी समय सिलीगुड़ी से आई थी। एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद रनवे पर था, तभी एयर इंडिया का विमान उसी रनवे से उड़ान भरने वाला था।

तीस वर्षों से लंबित सरदार सरोवर परियोजना का सर्वसम्मति से समाधान होना बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश को अब डेढ़ हजार करोड़ रूपए के स्थान पर केवल 217 करोड़ रूपए ही देना होंगे

मध्यप्रदेश बना वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला पहला राज्य

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से विगत 30 वर्षों से सरदार सरोवर परियोजना को लेकर लंबित जटिल मुद्दे का सर्वसम्मति से समाधान हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह विषय मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के बीच लंबित था। भारत के अटॉर्नी जनरल द्वारा फरवरी 2026 में अभिमत दिया कि पुनर्वास की लागत भागीदार राज्यों के मध्य विभाजित होनी चाहिए। अभिमत के अनुसार मध्यप्रदेश को लगभग डेढ़ हजार करोड़ रुपए का भुगतान करने की स्थिति बन रही थी। नई दिल्ली में हुई बैठक में तय किया गया कि 50 प्रतिशत के स्थान पर 75 प्रतिशत का खर्चा गुजरात द्वारा ही दिया जाए, और इस प्रकार मध्यप्रदेश को अब केवल रूपये 217 करोड़ की राशि देना होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में में नये अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड का गठन कर लिया गया है। वक्फ बोर्ड का पुर्नगठन करने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि दुर्लभ प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए चलाए जा रही ज्ञान भारतम् योजना में मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर आया है। अब तक 34 लाख 45 हजार से अधिक पांडुलिपि पन्नों का पंजीकरण और 12 लाख से अधिक का सत्यापन किया जा चुका है। टीकमगढ़ से 10 फीट लंबा जम्बू द्वीप का नक्शा, पन्ना से रसिक प्रिया, बुरहानपुर से 220 वर्ष पुराना हस्तलिखित श्रीमद्भागवत और दतिया से ऐतिहासिक ताम्रपत्र जैसी अमूल्य धरोहरें प्राप्त हुई हैं।

नई दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 16 में बन रही एक इमारत के ढहने के बाद, दिल्ली फायर सर्विस और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के कर्मचारी बचाव अभियान चला रहे हैं।

दरभंगा बम धमाके में घायल एक मजदूर की मौत, लोगों का सड़क पर फूटा गुस्सा

दरभंगा,(आरएनएस)। बिहार के दरभंगा बम ब्लास्ट में घायल मजदूर रामबाबू पासवान की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस घटना से नाराज स्थानीय लोगों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा. गुस्साए लोगों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा और अन्य घायल मजदूर के बेहतर इलाज के साथ दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है.

चंदनपट्टी चौक के पास लहेरियासराय-बहेड़ी मुख्य पथ तथा देकुली-सिसौनी मार्ग को लोगों ने जाम कर दिया. सड़क जाम होने के कारण दोनों मार्गों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया.

ग्रामीणों का आरोप है कि बम विस्फोट में घायल रामबाबू पासवान और भोला पासवान को पहले डीएमसीएच में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां समुचित इलाज नहीं मिला और दोनों को पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया.

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में प्रमुख लश्कर कमांडर जाकिर गनी ढेर, पहलगाम हमले से जुड़े थे तार

शोपियां (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पिछले 3 दिन से इलाके के घने जंगलों में छिपे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के 2 आतंकियों में से एक को ढेर कर दिया गया है। आतंकी की पहचान जाकिर अहमद गनी के रूप में हुई है, जो लश्कर का प्रमुख कमांडर था। उसे लतीफ भट के साथ 3 जुलाई को जंगल में लगे निगरानी कैमरों ने देखा गया था। सुरक्षा बलों ने गनी का शव बरामद कर लिया है।

मीमंदर क्षेत्र में 7 गांवों के एक बाग में 3 जुलाई को निगरानी कैमरों में 2 आतंकवादी दिखे थे, जिनकी पहचान लश्कर के गनी और भट के रूप में हुई थी। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने दोनों को ढूंढने के लिए इलाके में कड़ी घेराबंदी करके 4 गांवों को खाली कराया था। इस बीच, सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की गई। बुधवार तड़के गनी मारा गया, जबकि भट की तलाश जारी है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकवादी कुलगाम जिले के निवासी हैं। जाकिर 2024 में और लतीफ 2025 में लश्कर में शामिल हुआ था। जाकिर के खिलाफ अक्टूबर 2025 में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक अदालत ने नोटिस जारी किया था। उसका नाम पिछले साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले की जांच से जुड़ा है। पहलगाम हमले के बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में सक्रिय 14 आतंकवादियों की सूची जारी की थी, जिसमें उसका नाम था।

कालीघाट में तृणमूल की रैली में हंगामा, पूर्व सीएम ममता ने पार्टी कर्मी को थप्पड़ जड़े

कोलकाता(आरएनएस)। बारुईपुर में नाबालिग से कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में आज कोलकाता के बालीगंज फाड़ी से हाजरा तक निकाली गई तृणमूल कांग्रेस के छात्र और युवा संगठनों की रैली के दौरान भारी हंगामा और झड़प हुई। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो तेजी से वायरल हुए, जिनमें तृणमूल प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक व्यक्ति तथा कुछ अन्य कार्यकर्ताओं को थप्पड़ मारती हुई दिखाई दे रही हैं। हालांकि, तृणमूल नेताओं का दावा है कि यह घटना अफरातफरी और भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश के दौरान हुई और इसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। आज कलकत्ता हाई कोर्ट की अनुमति के बाद निकाली गई इस रैली के दौरान बालीगंज और कालीघाट इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

स्टेशन जा रही पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर पति ने खुद का भी रेता गला

सोदपुर/कोलकाता, (आरएनएस)। उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर अंतर्गत घोला महेंद्रनगर इलाके में आज सुबह सरेआम हुई एक खूनी वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एक शख्स सुभाष दास ने साइकिल से सोदपुर स्टेशन जा रही अपनी ही पत्नी गीता दास का रास्ता रोका और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद को भी खत्म करने की कोशिश की, जिसकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार सुबह की है जब घोला महेंद्रनगर की रहने वाली एक महिला रोज की तरह साइकिल पर सवार होकर सोदपुर स्टेशन की तरफ जा रही थी। जैसे ही वह कांचकल स्कूल मोड़ के पास पहुंची, घात लगाकर बैठे उसके पति ने उसे रोक लिया। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पाती, आरोपी ने पास में छिपे धारदार हथियार से उस पर एक के बाद एक कई जानलेवा वार कर दिए। हमला इतना भीषण था कि अत्यधिक खून बह जाने के कारण महिला ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

कटोरा लेकर भजन गाकर शासन प्रशासन से किसान संघ ने कलेक्ट्रेट में मांगी भिक्षा

भारतीय किसान संघ का अनिश्चितकालीन आंदोलन तीसरे दिन भी जारी रहा

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय किसान संघ द्वारा मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में बुधवार को भारतीय किसान संघ नें शासन और प्रशासन से सांकेतिक रूप में भिक्षा मांगकर प्रदर्शन किया गया है। इस दौरान किसान हाथ में कटोरा लेकर शासन प्रशासन के समक्ष आए और भजन गाकर शासन प्रशासन से भीख मांगी।

भीख मांगकर करेंगे गुजारा, सरकार नहीं खरीद रही मूंग

भारतीय किसान संघ के आंदोलन संयोजक ललित सिंह चौहान नें बताया कि भारतीय किसान संघ का 3 दिन से आंदोलन अनवरत् जारी है किसान अपनें खर्च से खाना बना रहा है। टेंट लगा है कूलर लगे है जिससे किसानों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव न पड़े लेकिन शासन नें किसानों की मूंग की खरीदी की घोषणा नहीं की। किसानों का गेंहूं का भुगतान नहीं हुआ जो 2 महीनें पहले किसानो नें बेचा था, अब आगामी समय में आंदोलन आगे बढ़ानें के लिए पैसे किसानों के पास नहीं है इसलिए हमनें भिक्षा मांगकर शासन प्रशासन से सहयोग मांगा है और यह बताया है कि आप मूंग नहीं खरीद रहे तब तक हमारा पेट पाल लें। ताकि

अन्नदाता भूखा न रहे ।

किसान अन्नदाता प्रजापालक है

संघ के संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटेल नें बताया कि किसान अन्नदाता और प्रजापालक है अन्न का उत्पादन करके प्रजा के उदर का पालन पोषण करता लेकिन आज अन्नदाता के पास स्वयं के पालन पोषण के लिए भी पैसे नहीं हे ऐसी स्थिति में वह परिवार को छोड़कर आंदोलन करनें के लिए बैठा है लेकिन शासन द्वारा कोई भुगतान नहीं होनें से किसान परेशान है वह आंदोलन का खर्च कैसे उठाएगा इसलिए हमनें भिक्षा मांगकर शासन प्रशासन से सहयोग मांगा है ।

किसानों नें मेहनत करके मूंग का उत्पादन किया

संघ के जिला सहमंत्री रजत दुबे नें बताया कि किसानों नें गर्मी भर मेहनत करके मूंग का बंपर उत्पादन किया है 4.5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग का उत्पादन किया है लेकिन सरकार नें घोषित उपार्जन 1 क्विंटल 20 किलो तय किया जोकि बहुत कम है ऐसे में किसानों को औने पानें दामों में मंडी में बेचना पड़ेगा मंडी के भाव भी 4500.5000 रूपये चल रहे है जिससे लाखों रूपये का फटका लगेगा सरकार शीघ्रता से शत प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा करें ।

यह रहे उपस्थित

संघ के आंदोलन में डोलरिया नर्मदापुरम् और इटारसी के कार्यकर्ता धरना आंदोलन में शामिल रहे जिसमें संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटेल जिला सहमंत्री रजत दुबे आंदोलन संयोजक ललित सिंह चौहान श्रीराम दुबे डोलरिया तहसील अध्यक्ष बदामीलाल साध विनोद दुबे राजकुमार राजपूत श्यामशरण तिवारी शरद पटैल अविनेश चौधरी सुभाष साध राजेश साध पन्नालाल गौर ब्रजकिशोर लोवंशी आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए उफनती नदी पार करने को मजबूर ग्रामीण

हरदा,(ए.)। मध्य प्रदेश के हरदा जिले के टिमरनी विकासखंड की ग्राम पंचायत नजरपुरा में अजनाल नदी पर पुलिया नहीं होने से ग्रामीणों को मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए हर बारिश में जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। नदी में पानी बढ़ने पर अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर उफनती धारा पार करना मजबूरी बन जाता है। लंबे समय से लंबित पुलिया निर्माण को लेकर अब ग्रामीणों ने प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों के अनुसार अजनाल नदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए आज भी सुरक्षित मार्ग उपलब्ध नहीं है। वर्षा के दौरान नदी उफान पर होने से अंतिम यात्रा निकालना अत्यंत कठिन और जोखिम भरा हो जाता है। कई बार दुर्घटना की आशंका के बीच ग्रामीण बहते पानी से होकर शव लेकर मुक्तिधाम तक पहुंचते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया निर्माण के लिए धनराशि की व्यवस्था की जा चुकी है। जनपद निधि, विधायक निधि और ग्राम पंचायत के अंशदान सहित 44.32 लाख रुपये के प्रस्ताव को पंचायत से स्वीकृति देकर तकनीकी मंजूरी के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) को भेजा गया है, लेकिन अब तक तकनीकी स्वीकृति जारी नहीं की गई है।

बदरीनाथ मंदिर की भेंट गणना में कथित अनियमितता, कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

देहरादून/बदरीनाथ, (ए.)। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की ओर से बदरीनाथ मंदिर की भेंट गणना में कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में एक कर्मचारी के खिलाफ कोतवाली बदरीनाथ में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई गई है। मामले की समिति और शासन स्तर पर उच्च स्तरीय जांच भी शुरू कर दी गई है प्राथमिकी के अनुसार, सोशल मीडिया पर दो जुलाई को प्रसारित सूचना के आधार पर मंदिर की भेंट गणना में कथित अनियमितता की जांच कराई गई। प्रारंभिक जांच में संबंधित कर्मचारी प्रमोद नौटियाल पर सुबह करीब नौ बजे से साढ़े नौ बजे के बीच भेंट गणना स्थल से नकदी अवैध रूप से उठाकर ले जाने की पुष्टि होने का दावा किया गया है।समिति ने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कर्मचारी को निलंबित करने के साथ उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे।

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचनात्मक विकास और पुनर्वास कार्यों के लिये दी 2,300 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना को 2031 तक निरंतर रखे जाने के लिए 495 करोड़ रूपये की मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को संपन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में अनेक निर्णय लिए गए है। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में अधोसंरचना विकास और पुनर्वास कार्यों को 2300 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसी तरह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रस्ताव अनुसार राज्य डाटा सेंटर के आधुनिकीकरण, आई.टी एवं डिजास्टर रिकवरी सहित अन्य कार्यों के लिए मंत्रि-परिषद ने 800 करोड़ की मंजूरी दी है। विभाग के ही तीन अन्य प्रस्तावों पर विज्ञान पार्क- एकल नागरिक डाटाबेस परियोजना और बॉयो टेक्नालॉजी पार्क की स्थापना एवं संचालन के लिए वर्ष 2031 तक निरंतरता के लिए 123 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक और प्रस्ताव अनुसार ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 के संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत स्वामित्व योजना के निष्पादित हस्तांतरण अभिलेखों पर अतिरिक्त स्टांप शुल्क से छूट दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा प्रस्तुत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक : 2026 को भी मंत्रि-परिषद ने मंजूरी दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव अनुसार मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री स्कूटी योजना को वर्ष 2031 तक निरंतर रखे जाने के लिए 495 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इसी तरह खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा प्रस्तुत मध्यप्रदेश उपार्जित गेहूँ, चना, ज्वार एवं बाजरा निस्तारण नीति : 2026 को भी मंत्रि-परिषद ने स्वीकृति दी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रस्ताव अनुसार मध्यप्रदेश के 65 नगरीय निकायों और उनके आस-पास के वन क्षेत्रों में नगरीय वन विकसित करने के लिए नमो हरित नगर योजना को 100 करोड़ की स्वीकृति दी है। जल संसाधन विभाग द्वारा पृथक-पृथक 3 सिंचाई परियोजनाओं में पुनर्वास और पुन: विस्थापन के लिए 3 प्रस्ताव अनुसार मंत्रि-परिषद ने पन्ना जिले की केन-बेतवा लिंक परियोजना, रूंज सिंचाई परियोजना और मझगांव सिंचाई परियोजना के डूब प्रभावितों के पुनर्वास और विस्थापन के लिए अतिरिक्त रूप से 202 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राजपत्रित सेवा भर्ती नियम : 2022 के तहत भर्ती प्रक्रिया को स्वीकृति दी। इसी तरह मंत्रि-परिषद द्वारा लीगल और डिफेंस काउंसिल सिस्टम योजना की वर्ष 2031 तक निरंतरता के लिए 42 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। वित्त विभाग के प्रस्ताव अनुसार विभिन्न लिखतों पर देय उपकार में छूट देने का निर्णय लिया गया है। मंत्रि-परिषद ने शिक्षा विभाग की लोक-वित्त पोषित कार्यक्रमों योजनाओं एवं परियोजनाओं के परिक्षण की योजना को 1 अप्रैल 2026 से मार्च 2031 तक की निरंतरता के लिए 543 करोड़ रूपये की मंजूरी दी है।

मंत्रि-परिषद ने एमपीएसईडीसी द्वारा संचालित एवं संग्रहीत म.प्र. स्टेट डाटा सेंटर के विस्तार और अद्यतन डाटा सेंटर 3.0 परियोजना के लिए 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार म.प्र. स्टेट डाटा का आधुनिकीकरण, आईटी एवं डिजास्टर रिकवरी क्षमता विस्तार तथा संबंधित नॉन-आईटी अवसंरचना विकास किया जाएगा।

589.63 हैक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त, सागौन रुट-शूट से होगा पुनर्वनीकरण अतिक्रमणकारियों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी

भोपाल (ए.)। धार वन मंडल ने वन भूमि संरक्षण एवं अतिक्रमण नियंत्रण अभियान के तहत जनवरी से मई 2026 के बीच कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 589.63 हैक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। यह कार्रवाई वन विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, पुलिस, ग्राम वन समितियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से 7 वन परिक्षेत्रों में का गई। विभागीय कार्रवाई में वन परिक्षेत्र धार में 100.55 हैक्टेयर, धामनोद में 35.10हैक्टेयर, मांडव में 50.78 हैक्टेयर, सरदारपुर में 50.62 हैक्टेयर, टांडा में 93.76 हैक्टेयर, बाग में 202.82 हैक्टेयर तथा कुक्षी में 56.00 हैक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। धार वन मंडल में कुल 589.63 हैक्टेयर वन भूमि पुन: वन विभाग के संरक्षण में लाई गई। अभियान का उद्देश्य वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर उसका पुनर्वनीकरण करते हुए प्राकृतिक वन संपदा का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर सागौन रूट-शूट की तैयारी की जा रही है। इसके लिए अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को वैज्ञानिक पद्धति से सागौन रूट-शूट रोपण, पौध संरक्षण एवं रखरखाव का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। वन भूमि सार्वजनिक एवं प्राकृतिक संपदा है, जिसका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन मंडल अधिकारी श्री विजयानंथम टी.आर. ने चेतावनी दी है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति वन भूमि पर अतिक्रमण करता है अथवा ऐसा करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा अन्य प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों के तहत आपराधिक प्रकरण वन विभाग के साथ पुलिस में भी एफआईआर भी दर्ज कराई जायेगी।

तकनीक के प्रभावी उपयोग से नागरिकों को बेहतर, त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत संचालित प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर तक रहने वाले प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से नागरिकों को बेहतर, त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा आभा आईडी, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री और हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री के माध्यम से डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत किया जाए। बैठक में सीईओ आयुष्मान अरविंद कुमार शाह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश में एकीकृत एवं परस्पर जुड़ा हुआ डिजिटल स्वास्थ्य इको सिस्टम विकसित करना है। इसके माध्यम से नागरिकों को विशिष्ट डिजिटल स्वास्थ्य पहचान आभा आईडी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से प्राप्त एवं साझा कर सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों, चिकित्सकों, नर्सों, आयुष चिकित्सकों, दंत चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का पंजीयन तेजी से कराया जाए।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

विद्यार्थियों को रोजगार, नैतिक मूल्य, पर्यावरण एवं कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने की पहल

भोपाल (ए.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफपीजी), जून-2024 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा।विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विषय समूहों अंतर्गत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें रोजगार एवं उद्यमिता कौशल, योग एवं ध्यान द्वारा तनाव प्रबंधन, पर्यावरण मनोविज्ञान, शोध लेखन कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एथिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, नवाचार एवं उद्यमिता जैसे विषय शामिल हैं।इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल, नैतिक मूल्यों, नवाचार क्षमता एवं रोजगारपरक दक्षताओं से जोड़ना है।

संभाग के सभी जिलों में बच्चों का शत् - प्रतिशत् नामांकन सुनिश्चित करें - संभागायुक्त श्री शर्मा

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने संभाग के सभी जिलों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए निगरानी के लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में नये शैक्षणिक सत्र में प्रथम कक्षा में बच्चों का शत् - प्रतिशत् नामांकन 15 जुलाई तक सुनिश्चित करने एवं प्रतिदिन मॉनीटरिंग कर नामांकन के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करने एवं एक सप्ताह के भीतर शत - प्रतिशत बच्चों को स्कूल से जोड़ने के साथ पोर्टल पर मैपिंग करने के भी निर्देश दिए गए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि एज्यूकेशन पोर्टल 3.0 पर छात्रों की मैपिंग के लिए शासकीय एवं सभी अशासकीय विद्यालयों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। साथ ही उन्होंने संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल धर्मेन्द्र शर्मा को प्रतिदिन की प्रोग्रेस रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित अंकुर मिशन कक्षा 01 से 03 तक के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को मजबूत करने के लिए वर्ष 2026-27 के लक्ष्य के अनुरूप सभी शासकीय विद्यालयों में अभी से लक्ष्य बनाकर तैयारी सुनिश्चित करें। ताकि इस वर्ष भोपाल संभाग के सभी जिलें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके। एवं उल्हास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत सभी जिलों में वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी वयस्कों का बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान परंगत करने के लिए चिन्हांकन सुनिश्चित करें। इसके लिए वार्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर उल्हास मोबाइल एप पर पंजीयन सुनिश्चित करें।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति को लेकर कांग्रेस का सरकार पर हमला, जीतू पटवारी ने बढ़ते कर्ज पर उठाए सवाल

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को प्रदेश की आर्थिक स्थिति को

लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में 3,600 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने के बाद राज्य पर कुल देनदारी 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियां जारी कर 3,600 करोड़ रुपये की नई उधारी ली है। उनके अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक सरकार 12,800 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है, जबकि पूरे वर्ष के लिए 78,500 करोड़ रुपये उधार लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि 31 मार्च 2026 तक प्रदेश पर 4.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था, जो नई उधारी के बाद 5 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लगातार कर्ज लेने के बावजूद किसानों, युवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार विकास कार्यों के लिए उधारी ले रही है, तो उसका प्रत्यक्ष लाभ जनता को नजर आना चाहिए।

भोपाल के टाइगर मूवमेंट एरिया में पहाड़ी की कटाई का विरोध, जेसीबी-पोकलेन से खुदाई पर लोगों ने उठाए सवाल

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के टाइगर मूवमेंट एरिया में स्थित एक पहाड़ी पर कथित रूप से पेड़ों की कटाई और खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है। बुधवार सुबह जेसीबी और पोकलेन मशीनों से पहाड़ी को समतल किए जाने की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नागरिक मौके पर पहुंचे और विरोध दर्ज कराया। मामले की शिकायत पुलिस और प्रशासन से भी की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे अकबरपुर गांव के सर्वे नंबर-3 स्थित सरकारी भूमि पर मशीनों की मदद से खुदाई की जा रही थी। इस दौरान कई पेड़ उखड़ गए और पहाड़ी की प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया गया। बाघ विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् राशिद नूर ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पेड़ों की कटाई कर अवैध उत्खनन, पहाड़ी की ढलान को समतल करने और अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है। उनका कहना है कि इस संबंध में पहले भी राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में शिकायत की जा चुकी है। नूर के अनुसार, एनजीटी ने अपने आदेश में सरकारी भूमि का राजस्व अभिलेखों के आधार पर सीमांकन कराने और कॉलोनी क्षेत्र की सीमा भी स्पष्ट रूप से निर्धारित करने के निर्देश दिए थे। उनका आरोप है कि इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

राजस्व रिकॉर्ड में छेड़छाड़ का भी आरोप

राशिद नूर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने राजस्व अभिलेखों (खसरा रिकॉर्ड) में कथित रूप से छेड़छाड़ की है। उन्होंने जिला प्रशासन से पटवारी और राजस्व निरीक्षक के माध्यम से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि दानिश सेक्टर-3 और सेक्टर-5 में अवैध कब्जे से जुड़े मामले पहले से ही तहसील न्यायालय में लंबित हैं। उनका कहना है कि मास्टर प्लान के अनुसार आठ डिग्री से अधिक ढाल वाले क्षेत्र में निर्माण की अनुमति नहीं है, इसके बावजूद यहां प्लाटिंग किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

वक्फ बोर्ड विवाद के बीच भोपाल के निकाह काज़ी ने दो पदों से दिया इस्तीफा, गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति पर जताई आपत्ति

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर जारी विवाद के बीच राजधानी भोपाल में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। निकाह काज़ी मोहम्मद मआज़ खान नोमानी नदवी ने बुधवार को अपने दो प्रमुख पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने निकाह काज़ी के पद के साथ ही दीनी तालीमी बोर्ड, जमीयत उलेमा मध्यप्रदेश के महासचिव पद से भी त्यागपत्र सौंप दिया। मआज़ खान ने अपना पहला इस्तीफा शहर काज़ी भोपाल मौलाना सैयद मुश्ताक अली नदवी को और दूसरा दीनी तालीमी बोर्ड, जमीयत उलेमा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल कलाम कासमी को भेजा। अपने त्यागपत्र में मआज़ खान ने लिखा कि उन्हें जो जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, उनका उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन किया। हालांकि वर्तमान परिस्थितियों में इन पदों पर बने रहना उनके लिए संभव नहीं रह गया है, इसलिए वे अपना त्यागपत्र सौंप रहे हैं।मआज़ खान ने कहा कि वक्फ बोर्ड एक धार्मिक संस्था है और इसमें गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति से उन्हें सिद्धांतत: आपत्ति है।

भोपाल में चेकिंग देखकर भागने वाले सावधान

यू-टर्न लिया या रॉन्ग साइड निकले तो खैर नहीं, शहर के 13 प्वाइंट्स पर ACP संभालेंगे कमान

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की सड़कों पर अब पुलिस चेकिंग को देखकर गाड़ी मोड़ना या तंग गलियों और गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में वाहन दौड़ाकर भागना चालकों को भारी पड़ने वाला है। भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने सड़क हादसों को रोकने और नियम तोड़ने वालों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए अपनी रणनीति में आमूलचूल बदलाव किया है। पुलिस ने शहर भर में बिखरे रहने वाले 40 छोटे चेकिंग पॉइंट्स को समेटकर अब केवल 13 प्रमुख पॉइंट्स में तब्दील कर दिया है। फर्क यह है कि अब इन कम पॉइंट्स पर इतनी भारी पुलिस मुस्तैद रहेगी कि वहां से किसी का भी बचकर निकलना नामुमकिन होगा। फिलहाल इस कड़े अभियान की कोई अंतिम समय-सीमा तय नहीं की गई है। पुरानी व्यवस्था में 40 पॉइंट्स पर महज 5-5 पुलिसकर्मी तैनात होते थे, जिससे कुल 200 जवान ही मोर्चे पर रहते थे। लेकिन अब कमान सीधे एसीपी (ACP) स्तर के अधिकारियों के हाथ में सौंपी गई है।स्टाफ का नया गणित: अब हर एक पॉइंट पर 16 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे. इस बल में 5 अधिकारी शामिल होंगे। महिला स्टाफ की मुस्तैदी: महिला वाहन चालकों की जांच और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर पॉइंट पर महिला अधिकारियों और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती अनिवार्य की गई है। बढ़ा पुलिस बल: इस नई व्यवस्था के कारण ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर 213 हो गई है, जिनकी कमान सीधे संबंधित क्षेत्र के एसीपी संभाल रहे हैं।

विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए 8 से 15 जुलाई तक महाविद्यालयों में लगेगा प्रवेश मेला

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 से 15 जुलाई 2026 तक प्रवेश मेला आयोजित किया जा रहा है। अतिरिक्त सीएलसी राउंड के दौरान प्रवेश प्रक्रिया को गति देने एवं पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।प्रवेश मेले के दौरान महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पंजीयन, चॉइस फिलिंग एवं संशोधन, दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन संबंधी मार्गदर्शन तथा शुल्क भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पात्र विद्यार्थी उसी दिन अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। महाविद्यालयों में प्रवेश मेला प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा।महाविद्यालयों द्वारा पोर्टल पर उपलब्ध लंबित पंजीयन, सत्यापन, प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद भी शुल्क जमा नहीं करने वाले विद्यार्थियों की सूची का परीक्षण कर उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जाएगा। विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिन पाठ्यक्रमों एवं संकायों में रिक्त सीटों की संख्या अधिक है, वहां विशेष प्रयास किए जाएंगे।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और पशुपालन के लिए योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक पहुँचाएं : प्रमुख सचिव उमराव

13 जुलाई से प्रदेश में शुरू होगा 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान', पशुपालकों को नस्ल सुधार, टीकाकरण और आधुनिक डेयरी तकनीकों की दी जाएगी जानकारी

भोपाल (ए.)। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, किसानों, पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक आसानी से पहुंचे, इस उद्देश्य से बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी सभागार में किसानों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक की। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उनके सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक में महेश चंद्र चौधरी सहित जिलों के किसान भी उपस्थित रहे।बैठक में प्रमुख सचिव उमराव ने किसान संघ के पदाधिकारियों को प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने, प्रदेश को दूध की राजधानी बनाने और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पशुओं के नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के

बारे में जानकारी देने के लिए प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दो चरण पूरे हो गए है। तीसरा चरण 13 जुलाई से शुरू होगा। इसके अंतर्गत विभाग के अधिकारी कर्मचारी पशुपालकों के घर जाएंगे और उन्हें नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे। तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी।तीसरे चरण में प्रदेश के 5 लाख 72 हजार पशुपालकों के घर जाकर भेंट करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने 13 जुलाई से शुरू होने वाले इस अभियान में मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से सहभागिता करने का आग्रह किया। इसके साथ ही प्रमुख सचिव श्री उमराव ने प्रदेश में चलाई जा रही क्षीरधारा योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाते हुए 'मिल्क कैपिटल' के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए आवश्यक है कि विभाग की योजनाओं और आधुनिक पशुपालन तकनीकों का लाभ अधिक से अधिक किसानों और पशुपालकों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

मां बगलामुखी मंदिर में दान संग्रह पर उठे सवाल, निजी समिति की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित

आगर मालवा (ए) । आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में श्रद्धालुओं से नकद राशि और सोने-चांदी के आभूषण दान के रूप में एकत्रित किए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मंदिर परिसर में एक अशासकीय समिति बनाकर दान संग्रह किए जाने और रसीदें जारी करने के आरोपों के बाद कलेक्टर प्रीति यादव ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है, जिसे सात दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

निजी समिति बनाकर लिया जा रहा था नकद और स्वर्ण-रजत दान

जानकारी के अनुसार, मंदिर के गर्भगृह को रजत मंडित कराने के नाम पर कुछ अशासकीय लोगों ने समिति का गठन कर मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं से नकद दान और सोने-चांदी के आभूषण एकत्रित किए। इतना ही नहीं, दानदाताओं को बाकायदा रसीदें भी जारी की जा रही थीं। चूंकि मां बगलामुखी मंदिर का संचालन शासकीय प्रबंधन के अधीन होता है, इसलिए निजी समिति द्वारा इस प्रकार दान संग्रह किए जाने पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर प्रीति यादव ने जांच के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) बी.एस. सोलंकी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। समिति में जिला कोषालय अधिकारी मनीष सोलंकी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी नलखेड़ा मिनी अग्रवाल को सदस्य बनाया गया है। समिति दान संग्रह की पूरी प्रक्रिया, प्राप्त नकद राशि और स्वर्ण-रजत आभूषणों का विवरण, उनके लेखा-जोखा तथा लगाए गए आरोपों की जांच करेगी और अपने सुझावों सहित सात दिनों के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रशासन को सौंपेगी।

हैरानी की बात यह है कि अशासकीय समिति मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं से दान लेकर उन्हें रसीदें भी जारी कर रही थी। जबकि मंदिर का संचालन प्रशासनिक व्यवस्था के तहत होता है, जहां डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम अध्यक्ष तथा तहसीलदार सचिव की जिम्मेदारी निभाते हैं। मंदिर कार्यालय में आउटसोर्स कर्मचारी भी नियमित रूप से कार्यरत हैं।

शमशाबाद में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी का शुभारंभ

विदिशा (ए.)। जिले के किसानों को उनकी मूंग उपज का उचित मूल्य उपलब्ध कराने और समर्थन मूल्य योजना का लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में मंगलवार को नटेरन विकासखंड के विपणन सहकारी समिति मर्या. शमशाबाद स्थित मूंग उपार्जन (खरीदी) केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार प्रारंभ हुई खरीदी प्रक्रिया के पहले ही दिन ग्राम डफरयाई कलां के किसान नारायण सिंह धाकड़ एवं नीरज धाकड़ की मूंग उपज का समर्थन मूल्य पर सफलतापूर्वक उपार्जन किया गया। उपार्जन केन्द्र का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ है। इस अवसर पर नायब तहसीलदार दर्शनलाल नेगी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जगदीश गुर्जर, उपार्जन केंद्र नोडल अभिषेक जैन, केंद्र प्रभारी देवेंद्र सिंह राजपूत, एमपीडब्लूएलसी के आकाश साहू, सर्वेयर शुभम कोरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार- पिकअप की टक्कर में दो दोस्त घायल, अस्पताल में भर्ती

मंदसौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर में सर्किट हाउस के पास मंगलवार रात करीब 10 बजे एक सड़क हादसे में कार सवार दो दोस्त घायल हो गए। उनकी कार आगे चल रही पिकअप से टकरा गई। सूचना मिलने पर डायल-112 ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।जानकारी के अनुसार, हादसे के समय हुंडई आई-20 कार में उज्जैन निवासी संजय साहू (25) और मंदसौर के अभिनंदन नगर निवासी ओम सोनी (22) सवार थे। दोनों दोस्त नयाखेड़ा से चाय पीकर मंदसौर लौट रहे थे। सर्किट हाउस के पास अचानक पिकअप के ब्रेक लगाने से कार अनियंत्रित होकर पीछे से उसमें जा घुसी। इस टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ओम सोनी को चेहरे और हाथ में चोटें आई हैं, जबकि संजय साहू के चेहरे, सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें लगी हैं।

चिकित्सकों ने बताया कि संजय के चेहरे पर करीब 20 टांके लगाए गए हैं। संजय साहू अपने मित्र ओम सोनी से मिलने उज्जैन से मंदसौर आए थे। दोनों नयाखेड़ा चाय पीने गए थे और लौटते समय यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है और पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

सामतपुर-हर्री मार्ग पर तीन वर्षो से बन रहा तिपान नदी पर पुल का काम रुका

अनूपपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय के सामतपुर-हर्रीबर्री गांव को कोलमी-फुनगा से जोड़ने वाले पुल का निर्माण कार्य बुधवार को रुक गया।पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से तिपान नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। यह पुल 367.74 लाख रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। काम में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनों को लाने-ले जाने के लिए नदी में जो अस्थायी रास्ता बनाया गया था, वह पानी के तेज बहाव में बह गया है। इसके चलते ठेकेदार ने काम पूरी तरह बंद कर दिया है। अब इस बात की पूरी संभावना है कि पुल का काम बारिश का मौसम खत्म होने के बाद ही दोबारा शुरू हो पाएगा। काम रुकने की वजह से फिलहाल मजदूर भी अपने-अपने घरों को लौट गए हैं।ठेकेदार के कर्मचारी धीरेंद्र द्विवेदी ने बताया कि पुल का बाकी काम नदी के दूसरे छोर पर होना है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए बनाया गया अस्थायी रास्ता बह चुका है। इसके साथ ही, ग्रामीणों के आने-जाने के लिए बनाया गया अस्थायी रास्ता भी पानी में डूब गया है, जिससे लोगों का आवागमन बंद हो गया है। वहीं रास्ता बंद होने की वजह से अब ग्रामीणों को अनूपपुर जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए 7 से 8 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ेगा। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों की परेशानी बहुत ज्यादा बढ़ गई है।ग्रामीणों का कहना है कि सामतपुर से हर्री-बर्री तक तिपान नदी पर बन रहा यह पुल कम समय और कम दूरी का इकलौता जरिया है, लेकिन पिछले 6 सालों से यह पुल लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बना हुआ है।

शिवपुरी में लोकायुक्त ने 20 हजार की रिश्वत लेते सरपंच दंपती को किया गिरफ्तार

शिवपुरी, (ए.)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की खनियाधाना जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत जुंगीपुर की महिला सरपंच और उनके पति को ग्वालियर लोकायुक्त की टीम ने बुधवार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दंपत्ति ने कपिलधारा योजना के तहत खोदे गए कुएं की निर्माण राशि का भुगतान जारी करने के एवज में यह घूस मांगी थी।जानकारी के अनुसार, जुंगीपुर ग्राम पंचायत के निवासी और योजना के हितग्राही राहुल सिंह यादव ने वर्ष 2025 में अपने खेत पर कपिलधारा योजना के तहत एक कुएं का निर्माण करवाया था। इस निर्माण कार्य की स्वीकृत राशि का भुगतान कराने के लिए वह लगातार पंचायत के चक्कर काट रहा था। लेकिन ग्राम पंचायत की सरपंच केशवती कोली और उनके पति खेमचंद कोली भुगतान की फाइल आगे बढ़ाने के बदले 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

उज्जैन में सड़क धंसने से नाले में पलटा सीमेंट से भरा ट्राला, 3.50 लाख का माल बर्बाद

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में लगातार जारी मूसलाधार बारिश के बीच बुधवार सुबह एमआर-5 रोड पर माल अनलोड करने पहुंचा सीमेंट से भरा एक ट्राला सड़क के अचानक धंसने के कारण असंतुलित होकर पास के ही एक गहरे नाले में पलट गया। इस घटना में 3.50 लाख रुपये की सीमेंट पानी में मिलकर बर्बाद हो गई। हालांकि चालक सुरक्षित बच गया।जानकारी के अनुसार, यह घटना एमआर-5 रोड पर स्थित 'शिव शक्ति सीमेंट' नामक दुकान के ठीक सामने की है। बुधवार सुबह सीमेंट की बोरियों से लदा एक ट्राला दुकान पर माल खाली करने के लिए पहुंचा था। दुकान संचालक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार तेज बारिश के कारण सड़क किनारे बने नाले के पास की अंदरूनी मिट्टी पूरी तरह बह चुकी थी, जिससे ऊपर से पक्की दिखने वाली सीमेंट की सड़क नीचे से खोखली और बेहद कमजोर हो गई थी। जैसे ही ड्राइवर ने माल उतारने के लिए ट्राले को सड़क के किनारे खड़ा किया, भारी वजन के कारण जमीन अचानक नीचे धंस गई। वाहन का संतुलन इस कदर बिगड़ा कि पूरा ट्राला पलटते हुए सीधे नाले में जा गिरा। हादसे के वक्त ट्राला पूरी तरह से सीमेंट की बोरियों से भरा हुआ था। नाले के गंदे और बारिश के पानी में गिरने के कारण ट्राले में लदी करीब 3.50 लाख रुपये मूल्य की सीमेंट की बोरियां पूरी तरह भीग गईं। पानी लगते ही पूरी सीमेंट खराब हो गई और वह किसी काम की नहीं रही, जिससे व्यापारी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। राहत की बात यह रही कि चालक सुरक्षित बच गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई।

व्यापार समाचार

कच्चे तेल में उबाल से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स-निफ्टी गिरे; निवेशकों के डूबे करोड़ों

मुंबई (आरएनएस)। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबार शुरू होने के शुरुआती 10 मिनट के भीतर ही सेंसेक्स 625 अंकों से अधिक टूट गया। शुरुआती कारोबार में आई इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.79 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बाजार में कमजोरी की प्रमुख वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। इसके अलावा रुपये में कमजोरी ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 76 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 559 अंक टूटकर 77,621.92 पर कारोबार करता दिखा। कारोबार के दौरान यह 625.20 अंक की गिरावट के साथ 77,555.52 के निचले स्तर तक पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को सेंसेक्स 78,180.72 अंक पर बंद हुआ था।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 शुरुआती कारोबार में 159 अंक गिरकर 24,238.25 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 180 अंक से अधिक टूटकर 24,207.20 के निचले स्तर तक फिसल गया।

सेंसेक्स में शामिल प्रमुख शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लगभग एक प्रतिशत तक कमजोर रहे।

दूसरी ओर, इंफोसिस, टीसीएस और सन फार्मा के शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली। बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच इंडिया वीआईएक्स (India VIX), जो बाजार की उतार-चढ़ाव की आशंका को दर्शाता है, 5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 12.25 पर पहुंच गया।

भारत ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के लिए किया करार, घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई(आरएनएस)। भारत ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति को लेकर करार किया। इससे एक तरफ देश के दक्षिणपूर्व एशियाई देश के साथ संबंध मजबूत होंगे और दूसरी तरफ देश की घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, इंडोनेशिया भारत में बनी 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइलें भी खरीदने वाला है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित 'अस्त्र' एक 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज' मिसाइल है, जिसे तेजी से दिशा बदलने वाले दुश्मन के विमानों को ट्रैक करके नष्ट करने के लिए बनाया गया है। भारत के इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की अतिरिक्त बैटरीज भी देने की संभावना है। ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान किए गए, जो उनके तीन देशों के दौरे का पहला चरण था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारे देशों के बीच बढ़ता भरोसा हमारे रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूत कर रहा है। आज, हमने रक्षा आदान-प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर सहमति व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हुए समझौते से इंडोनेशिया के नागरिकों के लिए भारत की अच्छी क्वालिटी वाली और सस्ती दवाएं और भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। हम इंडोनेशिया में डॉक्टरों और हेल्थकेयर वर्कर्स की क्षमता बढ़ाने में भी मदद करेंगे। भारत और इंडोनेशिया ने स्टील सप्लाई चेन के लिए मिनरल्स और टेक्नोलॉजी पर भी समझौता किया है। इसका मकसद जरूरी मिनरल्स की सप्लाई चेन को मजबूत करना है। भारत इंडोनेशिया के लिए खास इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बनाने में भी मदद करेगा और इस दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश को अपनी चुनाव टेक्नोलॉजी की जानकारी देगा।

भारत-आसियान व्यापार ने भरी उड़ान, 128 अरब डॉलर के पार पहुंचा द्विपक्षीय कारोबार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और आसियान देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 128 अरब डॉलर हो गया है। यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी मजबूत हुई है। यह जानकारी बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि आसियान भारत का एक प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर है और भारत के वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी करीब 11 प्रतिशत है।रिश्तों को और मजबूत करने के लिए, भारत ने 6 से 10 जुलाई तक 13वीं आसियान-भारत ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट (एआईटीआईजीए) की संयुक्त समिति (जेसी) और उससे जुड़ी बैठकों की मेजबानी कर रहा है, ताकि एआईटीआईजीए की समीक्षा के तहत बातचीत की प्रगति का जायजा लिया जा सके।आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, संयुक्त समिति की बैठक में उप-समितियों को उनके काम के क्षेत्रों में रणनीतिक मार्गदर्शन दिया गया और उनसे एआईटीआईजीए समीक्षा के तहत बाकी बचे अध्यायों को जल्द से जल्द पूरा करने का

आग्रह किया गया।बयान के मुताबिक, बातचीत की गति बनाए रखने के लिए, उप-समितियों को तय समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई और उन्हें सहमत समय-सीमा के अंदर ठोस नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।बयान में आगे कहा गया है कि एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी के तहत आठ सब-कमिटी में से तीन की बैठकें अभी 13वीं जॉइंट कमिटी की बैठक के साथ-साथ हो रही हैं।

इनमें कस्टम्स प्रक्रियाओं और व्यापार को आसान बनाने पर बनी सब-कमिटी (एससी-सीपीटीएफ), नेशनल ट्रीटमेंट और मार्केट एक्सेस पर बनी सब-कमिटी (एससी-एनटीएमए), और रूल्स ऑफ ओरिजिन पर बनी सब-कमिटी (एससी-आरओओ) शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि ये बैठकें भारत और आसियान के बीच सहयोग बढ़ाने, आपसी समझ को मजबूत करने और रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एक अहम मंच का काम कर रही हैं।

13वीं एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी की बैठक की सह-अध्यक्षता कॉमर्स डिपार्टमेंट के एडिशनल सेक्रेटरी नितिन कुमार यादव और मलेशिया के इन्वेस्टमेंट, ट्रेड और इंडस्ट्री मंत्रालय की डिप्टी सेक्रेटरी जनरल (ट्रेड) मस्तुरा अहमद मुस्तफा ने की।

सरकार ने नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात को मंजूरी दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र में हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात की मंजूरी दे दी है। इससे दवा की खेप के लिए तय एंट्री पॉइंट्स की संख्या में इजाफा हुआ है। यह जानकारी आधिकारिक बयान में बुधवार को दी गई।

ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 43ए में संशोधन करके नवी मुंबई को उन एयरपोर्ट्स की लिस्ट में शामिल किया गया है जहां से दवाएं आयात की जा सकती हैं। यह कदम दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह नोटिफिकेशन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के प्रावधानों के तहत ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से सुझाव के बाद जारी किया गया है।

बयान में कहा गया, इस संशोधन से फार्मास्युटिकल कंसाइनमेंट की आवाजाही आसान होने, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होने और भारत में दवाओं के आयात के लिए एक नया विकल्प मिलने से आयातकों को ज्यादा सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल नियामक ढांचे को मजबूत करने, व्यापार को आसान बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के साथ-साथ आयात की गई दवाओं पर प्रभावी रेगुलेटरी निगरानी सुनिश्चित करने की सरकार की लगातार कोशिशों के अनुरूप है।

आईपीओ से पहले एनएसई के परिचालन प्रदर्शन पर दबाव, ट्रेडिंग वॉल्यूम घटने से ट्रांजैक्शन चार्ज आय में गिरावट

मुंबई (आरएनएस)। आईपीओ लाने की तैयारी कर रहे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के परिचालन प्रदर्शन में हाल के वर्षों में कमजोरी देखने को मिली है। कंपनी की आय का सबसे बड़ा स्रोत ट्रांजैक्शन चार्ज और क्लियरिंग एवं सेटलमेंट सेवाओं से मिलने वाली कमाई में गिरावट दर्ज की गई है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, एनएसई की कुल परिचालन आय वित्त वर्ष 2026 में 16,601.30 करोड़ रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह 17,140.67 करोड़ रुपये थी। इस तरह सालाना आधार पर आय में 3 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। एनएसई की आय का प्रमुख हिस्सा ट्रांजैक्शन चार्ज से आता है। हालांकि, इस सेगमेंट में भी गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026 में ट्रांजैक्शन चार्ज से होने वाली आय घटकर 13,057.01 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2025 में 13,635.76 करोड़ रुपये थी। इसमें करीब 4 प्रतिशत की सालाना गिरावट हुई है।इसके अलावा, क्लियरिंग और सेटलमेंट सेवाओं से मिलने वाली आय में भी बड़ी कमी आई है। वित्त वर्ष 2026 में यह आय 21.8 प्रतिशत घटकर 251.45 करोड़ रुपये रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह 321.34 करोड़ रुपये थी।हालांकि, एनएसई के कुछ अन्य कारोबार क्षेत्रों में सुधार देखने को मिला है। लिस्टिंग सेवाओं से प्राप्त आय वित्त वर्ष 2026 में 10 प्रतिशत बढ़कर 352.43 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 313.82 करोड़ रुपये थी। एनएसई के मुख्य कारोबार में कमजोरी का संकेत ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई गिरावट से भी मिलता है।

एफएसएसएआई का बड़ा एक्शनः लोटे इंडिया, कुबेरा फूड्स और एफएनपी को भ्रामक दावों पर नोटिस

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य उत्पादों पर कथित भ्रामक दावों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन के मामले में 'लोटे इंडिया कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड', 'कुबेरा फूड्स' और 'फन्र्स एन पेटल्स प्राइवेट लिमिटेड (एफएनपी)' को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नियामक ने तीनों कंपनियों से सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है। एफएसएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी गई जानकारी में कहा कि कंपनियों को यह स्पष्ट करना होगा कि उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए।एफएसएसएसएआई के मुताबिक, लोटे इंडिया ने पूर्व अनुमति के बिना कंपनी के पुराने नाम वाले प्रिंटेड लेबल का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, कंपनी के कुछ चोको पाई उत्पादों पर किया गया '100% शाकाहारी' दावा भ्रामक पाया गया।जांच में यह भी सामने आया कि पेपेरो क्रंची बिस्किट स्टिक्स और पेपेरो ओरिजिनल बिस्किट स्टिक्स पर पोषण संबंधी जानकारी निर्धारित प्रारूप में नहीं दी गई थी। वहीं, लॉली ब्लिस लॉलीपॉप में विटामिन संबंधी दावे तय मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। एफएसएसएसएआई ने यह भी कहा कि फ्रूट्ज एक्लेयर्स नाम से उपभोक्ताओं को यह भ्रम हो सकता है कि उत्पाद में फल मौजूद हैं, जबकि ऐसा नहीं है। साथ ही, पैकेजिंग पर आवश्यक डिस्क्लेमर भी नहीं दिया गया था। नियामक ने 'सॉफ्ट एंड फ्रेश क्रीम बन पाइनएप्पल' उत्पाद पर किए गए दावों को लेकर कुबेरा फूड्स को नोटिस भेजा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विदेशी कंपनियों का पूरा नियंत्रण

फिनटेक से संबंधित भारत के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है।

फिनटेक ऐप क्रेड में 90 करोड़ डॉलर के निवेश और क्रेड के संस्थापक कुणाल शाह को ह्वाट्सऐप का वैश्विक प्रमुख बनाने के मेटा के फैसले से उचित ही भारतवासियों में उपलब्धि बोध भरा है। शाह अब अनेक बड़े नामों में शामिल हो गए हैं, जो भारत से शुरुआत करते हुए सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनियों में सर्वोच्च पद पर पहुंच गए। यह भारत की तकनीकी एवं प्रबंधकीय शिक्षा व्यवस्था की प्रतिभा तराशने की उच्च क्षमता की एक मिसाल है। मगर इस चकमते सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है। ऐसी हर उपलब्धि इस हकीकत को बेनकाब करती है कि भारत प्रतिभाओं का लॉन्च पैड बनने से आगे नहीं बढ़ पाया है। स्वदेशी प्रतिभाएं भारत में स्टार्ट-अप्स के जरिए अपनी पहचान बनाती हैं, जिन्हें जल्द ही खासकर अमेरिकी कंपनियां खींच ले जाती हैं। नतीजतन, आज तक एक भी भारतीय ब्रांड अपनी अद्वितीय वैश्विक पहचान नहीं बना पाया है। क्रेड के सिलसिले में यह चिंताजनक पहलू भी उभरा है कि भारतीय फिनटेक में रणनीतिक निवेश के जरिए देश के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है। 2018 में लॉन्च हुए क्रेड के आज लगभग एक करोड़ 70 लाख यूजर हैं, जो अपने क्रेडिट कार्ड, बीमा खरीदारी, यूपीआई पेमेंट, ऋण, निवेश आदि से जुड़े कार्य इस कार्ड से करते हैं। ये भारत के सबसे समृद्ध उपभोक्ता हैं, जिनका बेहद अहम डेटा क्रेड के पास है। आशंका पैदा हुई है कि भविष्य में इस कंपनी अपना निवेश बढ़ाकर मेटा इन सारे आंकड़ों की मालिक बन सकती है। गौरतलब है कि ह्वाट्सऐप का इस्तेमाल भी पेमेंट ऐप के रूप में होता है। यह डेटा मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एजेंट के लिए भी बड़े काम का साबित हो सकता है। भारत में चीन की तरह डेटा ट्रांसफर पर रोक की कारगर कानूनी व्यवस्था नहीं है। ऐसे में संप्रभु एआई या संप्रभु हाई टेक का विकास की बातें खोखली नजर आने लगती हैं। इसीलिए क्रेड और मेटा में बना संबंध चिंता के पहलुओं को भी उजागर कर गया है।

अब वापस गांव लौटना शर्म की बात

हरिशंकर व्यास

देश में सबसे कम शहरीकरण वाला राज्य हिमाचल प्रदेश है और उसके बाद बिहार का नंबर आता है। इसके बाद असम, ओडिशा आदि राज्य आते हैं। इन राज्यों में शहरीकरण नहीं हुआ है लेकिन गांव लापता हो गए हैं। सवाल है कि कहां चले गए हैं गांव के लोग? वह भी इस समय जब खेती किसानी का समय है? पिछले दिनों एक रील सोशल मीडिया में वायरल हुई, जिसमें पंजाब में धान की रोपनी कर रहे बिहार के किसान अपनी पीड़ा बता रहे थे। वे बिहार के नौजवानों से कह रहे थे कि पंजाब में उनका जीवन कितना मुश्किल है। वे अपील भी कर रहे थे कि अगर पढ़ सकते हो तो पढ़ो और कुछ करो। इस रील में सवाल है कि जवाब है। देश के तमाम पिछड़े इलाकों, जिनमें बिहार, झारखंड, ओडिशा, बंगाल का नाम खास तौर पर लिया जा सकता है, से गांव उठ कर दिल्ली, पंजाब, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, वडोदरा, बेंगलुरू और हैदराबाद चले गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि गांव लापता हुए हैं और वहां के लोग देश के बड़े शहरों में चले गए हैं। गांवों से निकल कर ज्यादातर लोग अपने आसपास के शहरों मे गए हैं। अच्छे जीवन की तलाश में, बच्चों की अच्छी शिक्षा व बुजुर्गों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की तलाश में, शहर में मिलने वाली सुविधाओं की मृग मरीचिका में लोग गांव से निकल कर शहर में आ गए हैं या शहर के नजदीक आ गए हैं। 'राग दरबारी' में पहले ही पन्ने पर श्रीलाल शुक्ल ने लिखा है कि 'शहर का वह छोर, जहां से देहात का महासागर शुरू होता है'। लेकिन अब शहर की सीमा के बाद देहात का महासागर नहीं दिखता है, बल्कि बेहद बदरंग रूप में शहर ही देहात तक पहुंच गया है या शहर ही देहात बन गया है। लोग गांवों से निकल कर शहरों की ओर भागे तो शहर का भौगोलिक विस्तार तेजी से हुआ। शहर का विकास नहीं हुआ, सुविधाएं नहीं बढ़ीं सिर्फ भौगोलिक विस्तार हुआ। जैसे दिल्ली में भीड़ बढ़ती गई तो एनसीआर का दायरा बढ़ता गया वैसे ही बिहार के किसी शहर का विस्तार हुआ तो नगर निगम या नगरपालिका की सीमा बढ़ती गई। लोग इस बात से खुश हुए कि उनका गांव, टोला या मोहल्ल नगरपालिका की सीमा में आ गया। लेकिन नगरपालिका ने वैसी सुविधाएं भी विकसित नहीं की, जैसी पंचायत में उनको मिलती थी। राष्ट्रपति रहते एपीजे अब्दुल कलाम ने पुरा (पीयूआरए) यानी प्रोविजन ऑफ अर्बन एमेनिटीज टू रूरल एरियाज का जिक्र किया था, जिसे 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने शुरू किया था।

इंडोनेशिया यात्रा से भारत को मिली नई रणनीतिक ताकत दो दिन के दौरे में रक्षा व्यापार समुद्री सुरक्षा और वैश्विक साझेदारी को मिली नई दिशा

- कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय इंडोनेशिया दौरा केवल एक औपचारिक विदेश यात्रा नहीं बल्कि भारत की बदलती वैश्विक भूमिका और बढ़ती रणनीतिक शक्ति का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। इस यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल एक बड़ा बाजार नहीं बल्कि रक्षा तकनीक आधुनिक सैन्य उपकरण विश्वसनीय साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। जकार्ता में हुए उच्चस्तरीय वार्ता और समझौतों ने भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को नई ऊंचाई दी है। इस दौरान रक्षा सहयोग व्यापार समुद्री सुरक्षा ऊर्जा आपूर्ति महत्वपूर्ण खनिजों तकनीकी सहयोग और सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत बनाने की दिशा में कई बड़े फैसले हुए।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे और मंगलवार को उनके दौरे का दूसरा दिन रहा। इस दो दिवसीय यात्रा में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और भारत के प्रधानमंत्री को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान केवल नरेंद्र मोदी के लिए नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों और दोनों देशों के बीच दो हजार वर्षों से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों की स्वीकृति के रूप में देखा जा रहा है। किसी भी देश द्वारा दिया गया सर्वोच्च सम्मान उस देश के साथ विश्वास और सम्मान के रिश्ते का प्रतीक होता है और यह भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी है।

इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत की सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल का इंडोनेशिया द्वारा खरीदने का निर्णय रहा। इसके साथ ही इंडोनेशिया भारतीय अस्त्र एयर टू एयर मिसाइल भी खरीदेगा जिसने हाल के सैन्य अभियानों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह केवल हथियार आयात करने वाला देश नहीं बल्कि आधुनिक रक्षा उपकरणों का बड़ा निर्यातक बनकर उभर रहा है। रक्षा निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति की सफलता का संकेत है। इससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता मजबूत होगी नई नौकरियों का सृजन होगा अनुसंधान और विकास को गति मिलेगी तथा विदेशी मुद्रा की आमद भी बढ़ेगी।

भारत का रक्षा निर्यात पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है और अब देश लगभग अस्सी देशों को विभिन्न प्रकार के रक्षा उपकरण उपलब्ध करा रहा है। फिलीपींस और वियतनाम के बाद इंडोनेशिया का भी भारतीय मिसाइल प्रणाली पर भरोसा जताना इस बात का प्रमाण है कि भारतीय रक्षा तकनीक विश्व स्तर पर स्वीकार की जा रही है। इससे भारत की रक्षा कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी और भविष्य में अन्य देशों के साथ भी बड़े रक्षा समझौते होने की संभावना बढ़ेगी।

इस यात्रा का दूसरा बड़ा लाभ समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सामने आया। भारत और इंडोनेशिया ने मिलकर साबांग बंदरगाह के विकास पर सहमति जताई है। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का समुद्री व्यापार गुजरता है। भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के निकट स्थित यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस सहयोग से हिंद महासागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति और मजबूत होगी। साथ ही समुद्री मार्गों की सुरक्षा व्यापारिक गतिविधियों और नौसैनिक सहयोग को भी नई मजबूती मिलेगी।

भारत के लिए इंडोनेशिया केवल एक रणनीतिक साझेदार ही नहीं बल्कि ऊर्जा और औद्योगिक विकास का भी महत्वपूर्ण सहयोगी है। इंडोनेशिया दुनिया में निकल के सबसे बड़े भंडारों में से एक है जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक धातु है। दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने और स्टील निकल तथा रेयर अर्थ मैग्नेट के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर सहमति जताई है। इससे भारत की इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग बैटरी निर्माण और भविष्य की हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत को आवश्यक कच्चे माल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में भी यह यात्रा उल्लेखनीय रही। भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में सहयोग करेगा। यह भारतीय चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता और तकनीकी क्षमता का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा विकसित चुनावी तकनीक पर दूसरे देशों का भरोसा भारत की संस्थागत क्षमता को भी नई पहचान देता है।

भारत और इंडोनेशिया के संबंध केवल रणनीति और व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि दोनों देशों को हजारों वर्षों से संस्कृति और सभ्यता भी जोड़ती रही है। भारतीय संस्कृति का प्रभाव आज भी इंडोनेशिया के बाली और जावा जैसे क्षेत्रों में स्पष्ट दिखाई देता है। रामायण और महाभारत पर आधारित सांस्कृतिक परंपराएं वहां आज भी जीवित हैं। प्रधानमंत्री मोदी का प्रम्बानन मंदिर जाना इसी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है। नौवीं शताब्दी में निर्मित यह विशाल हिंदू मंदिर परिसर विश्व धरोहर के रूप में प्रसिद्ध है और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का जीवंत प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है लेकिन समय के साथ इन यात्राओं के परिणाम भी स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। अब भारत वैश्विक मंचों पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। रक्षा निर्यात बढ़ रहा है विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है नई तकनीक और ऊर्जा साझेदारी विकसित हो रही है तथा भारत की रणनीतिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। विदेश यात्राओं के माध्यम से भारत अपने मित्र देशों के साथ विश्वास का दायरा बढ़ा रहा है और वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री मोदी अब तक 102 विदेश यात्राएं कर चुके हैं और 66 देशों का दौरा कर चुके हैं। इन यात्राओं में कुल 372 दिन विदेश में बिताए गए हैं। वर्ष 2026 में यह उनकी पांचवीं विदेश यात्रा और इंडोनेशिया की तीसरी यात्रा रही। इन दौरों के माध्यम से भारत ने व्यापार निवेश रक्षा सहयोग ऊर्जा सुरक्षा तकनीकी साझेदारी और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज अनेक देश भारत को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं और यह बदलाव भारत की विदेश नीति की सफलता को दर्शाता है।

इंडोनेशिया की यह दो दिवसीय यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुई। रक्षा समझौते समुद्री सुरक्षा ऊर्जा सहयोग महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता तकनीकी साझेदारी सांस्कृतिक संबंध और सर्वोच्च नागरिक सम्मान जैसे अनेक आयामों ने इस दौरे को विशेष बना दिया। यह यात्रा केवल दो देशों के बीच संबंध मजबूत करने तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने भारत की वैश्विक भूमिका को भी नई मजबूती प्रदान की। आने वाले वर्षों में इन समझौतों का लाभ भारत की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय सुरक्षा उद्योग रोजगार और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव सभी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह इंडोनेशिया यात्रा भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद की जाएगी।

हमें हक नहीं किसी के विश्वास की हत्या करने का

पूनम भाटिया

रिश्ते केवल खून से नहीं बनते, विश्वास से बनते हैं। और जब विश्वास ही हत्या का हथियार बन जाए, तब केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, इंसानियत भी घायल होती है। पिछले कुछ समय में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जिन्होंने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। हाल के सिया-केतन प्रकरण में जाँच एजेंसियाँ प्रेम, सगाई और कथित साजिश के पहलुओं की जाँच कर रही हैं। इससे पहले सोनम-राजा रघुवंशी हत्याकांड लंबे समय तक चर्चा में रहा। उससे पहले श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जिसमें लिव-इन पार्टनर पर हत्या और शव के टुकड़े करने का आरोप लगा। दिल्ली का चर्चित नीला ड्रम मामला भी लोगों के मन में आज तक भय पैदा करता है। इन सभी मामलों की परिस्थितियाँ अलग-अलग हैं और अंतिम न्यायिक निर्णय अपनी प्रक्रिया से होगा, लेकिन एक बात समान दिखाई देती है और वह है-भरोसे का टूटना।

विश्वास की परिभाषा सरल है-किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना। लेकिन जब वही भरोसा धोखे में बदल जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं टूटता; उसके साथ परिवार, सामाजिक रिश्ते और मानवीय संवेदनाएँ भी आहत होती हैं। सिया-केतन जैसे मामलों में व्यक्तिगत संबंधों के साथ आर्थिक और भावनात्मक जटिलताएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि किन चेतावनी संकेतों को अनदेखा किया गया और किसने किसके विश्वास का लाभ उठाया। यह केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि उस भरोसे की हत्या है जिसके सहारे कोई अपना भविष्य किसी दूसरे के साथ जोड़ता है। जब जीवन का सबसे सुरक्षित रिश्ता ही सबसे बड़ा खतरा बन जाए, तो समाज को आत्ममंथन करना ही होगा। अधिकांश विश्वासघात निजी और पारिवारिक रिश्तों में होते हैं। प्रेम, सहजीवन और वैवाहिक संबंध सुरक्षा का आधार होने चाहिए, लेकिन जब इन्हीं का दुरुपयोग होता है तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं, स्वीकार है। विवाह का अर्थ बंधन नहीं, साझेदारी है। यदि किसी रिश्ते में प्रेम, सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाए, तो अलग होने के लिए कानून, संवाद, परिवार और समाज, सभी रास्ते उपलब्ध हैं। किसी का जीवन छीन लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता।

आज सोशल मीडिया पर अपराधों की खबरें सनसनी बनकर फैलती हैं। कई बार लोग अपराधी की चालाकी या उसकी योजना पर ऐसे चर्चा करते हैं, मानो वह कोई रोमांचक कहानी हो। यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। हर ऐसी खबर के पीछे किसी माँ का उजड़ा आँगन, किसी पिता का टूटा सहारा और किसी परिवार का आजीवन दर्द छिपा होता है। ऐसे अपराध केवल कानूनी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि समाज में भय, संदेह और असुरक्षा भी बढ़ाते हैं।विश्वासघात केवल हत्या तक सीमित नहीं है। झूठ बोलना, भावनाओं से खेलना, आर्थिक शोषण करना, दोस्ती या प्रेम के नाम पर धोखा देना, ये उसी मानसिकता के अलग-अलग रूप हैं। जब छोटे छल को सामान्य मान लिया जाता है, तभी बड़े अपराधों की जमीन तैयार होती है। इस समस्या का समाधान केवल कठोर कानून नहीं हैं। सामाजिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुँच, रिश्तों में पारदर्शिता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध प्रभावी सहायता तंत्र भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षा-प्रणाली को बच्चों में ईमानदारी, संवेदनशीलता और संवाद का संस्कार विकसित करना होगा। मीडिया को भी जाँच प्रक्रिया और पीड़ितों की गरिमा का सम्मान करते हुए जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को केवल सफल होना नहीं, बल्कि विश्वसनीय होना भी सिखाना होगा। रिश्तों में ईमानदारी, असहमति में संवाद और अलगाव में गरिमा ही सभ्य समाज की पहचान है। रिश्ता टूटने का दर्द समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन जब इंसान का इंसान पर से भरोसा टूट जाता है, तब उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी हार यही है।

मेष राशि : आज आपका दिन हर्षोल्लास से भरा रहेगा। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की प्रतीक्षा आज समाप्त होगी नई पोस्ट पर कार्यभार व जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है लेकिन आप पूरी ईमानदारी से काम करेंगे। आज आप नया बिजनेस शुरू करने की योजना बनाएंगे जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आपको एक अच्छे सकारात्मक माहौल में काम करने का मौका मिलेगा और कलीग्स के साथ आपके रिश्ते मित्रवत होंगे। आज घर माहौल सकारात्मक रहेगा रिश्तों में धैर्य बनाए रखें। नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन आनंदमय रहेगा। कारोबार में आज नए प्रयोग करने के बजाय वर्तमान कार्य योजनाओं को अच्छी तरह से मैनेज करना बेहतर होगा। आज रुके हुए काम पूरे होंगे साथ ही आपका सामाजिक रुतबा बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबीलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में आज कार्यभार थोड़ा बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घरेलू जिम्मेदारियों के मध्य अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने की संभावना है आप अपने निजी जीवन में चली आ रही उलझनों से छुटकारा पाने में कामयाब रहेंगे। आज पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। आज कार्य क्षेत्र में आपको मन मुताबिक सफलता मिलेगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके जीवन मे कुछ नया बदलाव लाने वाला है। आज आपकी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएंगे साथ ही, वरिष्ठ लोगों की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। व्यापार के विकास के लिए आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज के दिन विवाह योग्य लोगों के लिए अच्छा रिश्ता आ सकता है। आज आप अपनी दिनचर्या में महत्वपूर्ण बदलाव करेंगे। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। आज नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके जीवन में नयापन लेकर आने वाला है। आज आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज जनसंपर्क बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। आज आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए पदोन्नति मिलेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। इंश्योरेंस और कमीशन से जुड़े कामों में लाभ होगा। आज आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा और आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक जीवन में नयी खुशियां आएंगी। बहुत समय से रुके हुए आज काम पूरे होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आज आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आज आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

मीन राशि:आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी पुराने मामले को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में आएगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आज रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं।

इंडियाहैंडमेडः भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

हस्तनिर्मित आजीविका के लिए एक डिजिटल इंडिया ब्रिज

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है।

भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है।

इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है।

भारत में इंडियाहैंडमेड प्लेटफॉर्म की मुख्य विशेषताएं

इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता है:

विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेस: यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंच: कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है।

अधिक मौजूदगी: प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरण: कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है।

वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरण: व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है।

सांस्कृतिक संरक्षण: शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है।

इंडियाहैंडमेड सबसे अलग कैसे

पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिज़ाइन किया गया है। यह एक सहज बाज़ार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं।

यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है।

यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

जीआई-टैग किए गए उत्पाद

जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

ओडीओपी उत्पाद

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं।

विश्वास बनाना और विक्रेता की भागीदारी को आसान बनाना

बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासन: खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 09 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

भारत-इंडोनेशिया की साझा संस्कृति का प्रतीक प्रम्बानन मंदिर, पीएम मोदी ने किया दौरा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत की एक्ट ईस्ट नीति (Act East Policy) और सांस्कृतिक कूटनीति को वैश्विक पटल पर एक नई मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर स्थित ऐतिहासिक प्रम्बानन मंदिर परिसर (Prambanan Temple Comple&) का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों राजनेताओं ने संयुक्त रूप से करीब 1000 वर्ष पुराने इस विश्वप्रसिद्ध हिंदू मंदिर परिसर के संरक्षण और पुनर्स्थापना (Restoration) परियोजना की आधिकारिक शुरुआत की। यह कदम दोनों देशों के बीच हजारों साल पुराने सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जा रहा है।

साझा विरासत का जीवंत प्रतीकः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) संभालेगा कमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रम्बानन मंदिर को दोनों देशों की साझी

सांस्कृतिक विरासत का एक अनुपम प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह भव्य स्मारक भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरे ऐतिहासिक और जन-संबंधों का जीवंत प्रमाण है। इस द्विपक्षीय समझौते के तहत ASI की भूमिका: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India) के विशेषज्ञ यूनेस्को की इस विश्व धरोहर स्थल के भीतर स्थित कई छोटे और क्षतिग्रस्त मंदिरों के वैज्ञानिक जीर्णोद्धार के लिए इंडोनेशियाई अधिकारियों व पुरातत्वविदों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर काम करेंगे। रणनीतिक महत्वः यह परियोजना न केवल भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को विस्तार देगी, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भारत के जुड़ाव को एक नया आयाम भी प्रदान करेगी।

शिवगृहः जानिए प्रम्बानन मंदिर का गौरवशाली इतिहास

प्रम्बानन मंदिर दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे विशाल और महत्वपूर्ण हिंदू स्थापत्य परिसरों में से एक है। इसके इतिहास और बनावट से जुड़ी मुख्य बातें इस प्रकार हैं: त्रिमूर्ति को समर्पितः मूल रूप से प्राचीन काल में शिवगृह (शिव का घर) के नाम से विख्यात यह परिसर मुख्य रूप से भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु (त्रिमूर्ति) को समर्पित है।

उसने जो किया, उसकी सजा मिली, आरोपी की मां ने शव लेने से मना किया

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में हुए जघन्य बलात्कार और हत्याकांड के मुख्य आरोपी प्रभाष मंडल की मां ने ममता और संवेदना से ऊपर न्याय और नैतिकता को रखते हुए एक कड़ा फैसला लिया है। बुधवार को पुलिस मुठभेड़ (एनकाउंटर) में मारे गए अपने बेटे का शव लेने से उसकी मां ने साफ मना कर दिया है। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि उनके बेटे ने जो घिनौना कृत्य किया था, उसकी सजा उसे मिलनी ही थी और वह ऐसे पापी का शव अपने घर नहीं लाएंगी।उसने कोई अच्छा काम नहीं किया था, जो चाहे करे पुलिस आरोपी की मां स्थानीय मीडिया से भावुक लेकिन बेहद सख्त लहजे में बात करते हुए आरोपी प्रभाष मंडल की मां ने सुबह के घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया सुबह जब मैं सोकर उठी ही थी, तब दो पुलिसवाले मेरे घर आए थे। उन्होंने मुझे सूचना दी कि मेरा बेटा प्रभाष मर चुका है और मुझसे पूछा कि क्या मैं उसका शव देखने या लेने अस्पताल चलना चाहूंगी।

कैलाश दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए जरुरी खबर, परमिट जारी होने में 2 माह की देरी

पिथौरागढ़ , (आरएनएस)। तिब्बत में स्थित हिंदुओं के परम पावन कैलाश पर्वत के भारतीय सीमा से दर्शन करने की आस लगाए बैठे शिवभक्तों को अभी करीब दो महीने का लंबा इंतजार और करना होगा। वर्तमान में इस प्रतिबंधित सीमांत क्षेत्र के लिए जरूरी इनर लाइन परमिट (ILP) जारी करने की प्रक्रिया को पूरी तरह रोक दिया गया है। स्थानीय जिला प्रशासन के मुताबिक, आगामी सितंबर महीने के आसपास जब यह परमिट दोबारा शुरू होंगे, तभी आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु समुद्र तल से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद ओल्ड लिपुलेख (ओल्ड लिपुपास) पहुंचकर भारत की सरजमीं से कैलाश पर्वत के अलौकिक दर्शन कर पाएंगे।

खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से सेना ने लगाई अस्थायी रोकइस साल यात्रा सीजन की शुरुआत में देश के कोने-कोने से पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ओल्ड लिपुलेख पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन किए थे। हालांकि, बाद में सीमा पर तेजी से बदलते खराब मौसम और सामरिक सुरक्षा कारणों को देखते हुए भारतीय सेना ने इस संवेदनशील क्षेत्र में आम नागरिकों की आवाजाही पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया था। हाल ही में जिला प्रशासन और सेना के उच्चाधिकारियों के बीच हुई लंबी वार्ता के बाद कुछ सीमित वीआईपी पर्यटकों को तो वहाँ जाने की अनुमति दी गई, लेकिन आम श्रद्धालुओं के लिए इनर लाइन परमिट (ILP) बंद होने के कारण अभी वहां जाना मुमकिन नहीं हो पा रहा है

बड़ी खबर : महादेव ऐप का संचालक सौरभ चंद्राकर गिरफ्तार, फर्जी पासपोर्ट से ओमान पहुंचने का आरोप

रायपुर,(आरएनएस)। फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करने के आरोप में महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर को ओमान में गिरफ्तार किया गया है। चंद्राकर पिछले कुछ समय से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में रह रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सौरभ को भारतीय एजेंसियों द्वारा जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने गिरफ्तार किया है।गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार चंद्राकर को वापस लाने के लिए ओमान को औपचारिक प्रत्यर्पण की तैयारियों में जुटी है। सौरभ को मस्कट स्थित हाई-सिक्योरिटी अल खौद डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ फर्जी पासपोर्ट के इस्तेमाल और अवैध तरीके से ओमान में प्रवेश करने का मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पैरवी के लिए मस्कट में वकीलों की एक टीम भी नियुक्त की है।

समस्तीपुर डबल मर्डर, रंजिश का बदला? नदी किनारे दो युवकों को गोलियों से भूना

समस्तीपुर (आरएनएस)। जिले के चेकमहेसी थाना अंतर्गत नामापुर दरियापार गांव में मंगलवार देर रात हुई गैंगवार की एक सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके को दहला दया है। अज्ञात बदमाशों ने फोन कर घर से बुलाए गए दो युवकों की ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान प्रभात चौधरी और सन्नी कुमार के रूप में हुई है। मृतक प्रभात चौधरी के पिता संजय कुमार चौधरी ने बताया कि उनका बेटा रात में घर पर था तभी किसी अज्ञात का फोन आया। फोन आने के बाद प्रभात अपने तीन-चार साथियों के साथ स्कॉर्पियो से बागमती नदी के नामापुर दरियापार घाट पर मिलने गया। चश्मदीदों के अनुसार, उस समय पास में ही आतिशबाजी हो रही थी जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने अंधेरे का लाभ लिया। पुल के पास पहुंचते ही बदमाशों ने प्रभात पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। प्रभात के सिर में चार से पांच गोलियां लगीं जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसके साथ गए बेलसंडी गांव निवासी सन्नी कुमार ने जब जान बचाकर भागने की कोशिश की तो हत्यारों ने उसे भी नहीं छोड़ा।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारत आ रहे LNG टैंकर पर ड्रोन से हमला, इंजन रूम में लगी आग

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। भारत आ रहे कतर के एक एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) से लदे जहाज पर संदिग्ध ड्रोन से हमला किया गया है। एलएनजीसी अल रेकय्यात नामक यह जहाज कतर के रास लफ्फान बंदरगाह से गुजरात के दहेज बंदरगाह की ओर जा रहा था, तभी इसे निशाना बनाया गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, हमले के बाद जहाज के इंजन रूम में आग लग गई, जिससे भारी धुआं उठने लगा। हालांकि, किसी के हताहत होने या गैस रिसाव की सूचना नहीं है। जहाज पर कुल 29 चालक दल के सदस्य सवार हैं, जिनमें चार भारतीय नाविक भी शामिल हैं। सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

सूत्रों के अनुसार, 7 जुलाई को अरब सागर और ओमान की खाड़ी के मिलन बिंदु के पास ट्रांजिट के

दौरान एलएनजीसी अल रेकय्यात पर संदिग्ध ड्रोन से हमला हुआ। घटना की जानकारी संबंधित समुद्री प्राधिकरणों को दे दी गई है। हमले के बावजूद जहाज अपनी यात्रा जारी रखते हुए दहेज बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

बताया जा रहा है कि इस घटना से कुछ घंटे पहले भी फारस की खाड़ी के इसी समुद्री मार्ग से गुजर रहे दो अन्य तेल टैंकरों को निशाना बनाया गया था। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने भी एक जहाज पर अज्ञात ड्रोन हमले की पुष्टि की है। एजेंसी के अनुसार, हमला ओमान के तट के पास हुआ, जब जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर ओमान की खाड़ी में प्रवेश कर रहा था। प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) से टकराया, लेकिन जहाज अपनी यात्रा जारी रखने में सक्षम रहा।

होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास लगातार बढ़ते हमलों ने वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति श्रृंखला को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

हालांकि, इस हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इसलिए यह कहना कि हमला किसी विशेष देश ने किया, फिलहाल पुष्ट नहीं है।

भरत तिवारी की मौत पर आयोग सख्त, पीड़ित परिवार को तुरंत मुआवजा देने का दिया आदेश

भोजपुर,(आरएनएस)। जिले के बेलौटी में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में बिहार मानवाधिकार आयोग (BHRC) ने प्रशासन के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा निर्देश जारी किया है। आयोग ने राज्य सरकार को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि इस मामले की न्यायिक प्रक्रिया और विस्तृत जांच अपनी जगह है लेकिन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मृतक के माता-पिता को तुरंत प्रभाव से अंतरिम मुआवजा प्रदान किया जाए।आयोग ने इस पूरी घटना को अत्यंत दुखद और गंभीर करार दिया है। एक युवा लड़के की जान जाने को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए आयोग ने कहा कि घटना की भयावहता का अंदाजा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट है कि भरत भूषण की मौत अत्यधिक रक्तस्राव और गोली लगने से उपजे सदमे के कारण हुई। आयोग ने माना कि इस मामले में सीधे तौर पर पुलिस की कार्यशैली और सरकारी तंत्र की जवाबदेही पर बड़े सवाल उठ रहे हैं, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

निज्जर हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई पर आरोप तय, अमेरिका ने गोल्डी बराड़ पर रखा 50 हजार डॉलर का इनाम

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। भारत से जुड़े संगठित अपराध के खिलाफ अमेरिका, कनाडा और यूरोप की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त रूप से अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस

अभियान को 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' नाम दिया गया है। इस कार्रवाई के तहत जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके करीबी सहयोगी गोल्डी बराड़ पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) के इनाम की घोषणा की है। अमेरिकी अदालत में पेश सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ पर 18 जून 2023 को कनाडा के सरे शहर में गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। जांच एजेंसियों का दावा है कि दोनों ने जेल और विदेश से इस हत्या की साजिश रची तथा शूटरों को निर्देश दिए। एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ फिलहाल अमेरिका में छिपा है और वहीं से उत्तर अमेरिका में अपने नेटवर्क का संचालन कर रहा है।यह अभियान केवल एक देश तक सीमित नहीं है। इसमें अमेरिका की एफबीआई, कनाडा की आरसीएमपी और यूरोप की कई कानून प्रवर्तन एजेंसियां शामिल हैं। पिछले कई वर्षों से ये एजेंसियां भारत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क पर नजर रख रही थीं।

टीएमसी फंड केस : अभिषेक बनर्जी की चार्टर्ड फ्लाइट्स तक पहुंची आंच, ईडी की 5 ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड

कोलकाता,(आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बैंक खातों और चुनावी चंदे में मचे घमासान के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने कोलकाता और उसके आसपास सॉल्ट लेक, राजारहाट और राधाबाजार समेत पांच ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। ईडी के अधिकारी केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को साथ लेकर एक चार्टर्ड एविएशन कंपनी के डायरेक्टरों के घर और दफ्तरों को खंगाल रहे हैं। यह पूरा मामला टीएमसी के खातों में हुए संदिग्ध लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जुड़ा हुआ है।

अभिषेक बनर्जी की चार्टर्ड फ्लाइट्स जांच के रडार पर

सुबह ईडी की टीम सबसे पहले 'केयरवेल एविएशन' नाम की कंपनी के निदेशकों के आवास पर पहुंची। जांच में यह अहम बात सामने आई है कि इसी कंपनी के प्राइवेट विमानों और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और पार्टी के अन्य बड़े नेता अपने दौरों के लिए करते रहे हैं। सॉल्ट लेक स्थित कंपनी के दो निदेशकों, पवन जाजू और राजेश जाजू के घर पर टीम मौजूद है और उनसे बंद कमरे में गहन पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही राजारहाट और राधाबाजार स्थित केयरवेल एविएशन के दफ्तरों पर भी छापेमारी चल रही है। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि क्या नेताओं के लिए बुक होने वाले इन महंगे चार्टर्ड विमानों का भुगतान टीएमसी के उन्हीं विवादित खातों से किया जा रहा था।

पूर्व कोषाध्यक्ष अरूप विश्वास ने खुद की थी खाते फ्रीज करने की मांग

इस पूरे मामले में विवाद तब गहराया, जब टीएमसी के पूर्व कोषाध्यक्ष अरूप विश्वास ने खुद बैंक अधिकारियों को एक चिट्ठी लिखी थी। इस पत्र में उन्होंने खुद को पार्टी का अधिकृत कोषाध्यक्ष बताते हुए इन खातों से होने वाले लेन-देन पर तुरंत रोक लगाने और इन्हें फ्रीज करने का अनुरोध किया था। इसके अलावा साइबर क्राइम ब्रांच में भी वित्तीय गबन को लेकर एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद से ही ये बैंक खाते केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए थे।

भाजपा विधायक की शिकायत के बाद खुली पोल

मामले में नया राजनीतिक मोड़ तब आया, जब जयनगर से भाजपा विधायक ने निजी बैंक के तीन खातों में भारी गड़बड़ी और संदिग्ध लेन-देन का आरोप लगाते हुए बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में स्पष्ट रूप से आरोप लगाया गया था कि इन खातों के जरिए बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग का खेल चल रहा है। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने बैंक को पत्र लिखकर तीनों खातों को तुरंत फ्रीज करवा दिया था। अब उन्हीं कड़ियों को जोड़ते हुए ईडी ने इस पूरे मामले को अपने हाथ में ले लिया है।

पत्नी और प्रेमी पर पति की हत्या का आरोप, 17 दिन बाद मामले का खुलासा

झारखंड,(आरएनएस)। रांची के बुंडू क्षेत्र में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने मिलकर युवक की हत्या की साजिश रची और पहचान छिपाने के लिए शव के साथ क्रूरता की।मामले की शुरुआत 19 जून को हुई, जब बुंडू थाना क्षेत्र के सुमानडीह गांव के निकट महादेवटांड़ जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का अधजला शव बरामद हुआ। शव का सिर गायब था और धड़ को जलाने का प्रयास किया गया था, जिससे मृतक की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बन गया।

जांच के दौरान मृतक के हाथ पर बने टैटू से पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिला। इसके आधार पर मृतक की पहचान तमाड़ थाना क्षेत्र के मांझी टोला निवासी 27 वर्षीय संजय लोहरा के रूप में हुई।पुलिस जांच में सामने आया कि संजय लोहरा की पत्नी का पिछले लगभग दो वर्षों से एक अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध था। पुलिस का आरोप है कि संजय को इस संबंध की जानकारी मिलने के बाद दंपति के बीच विवाद बढ़ने लगे थे।

आरोप है कि 18 जून को पत्नी ने संजय को एक शादी समारोह में जाने का बहाना बनाकर अपने साथ बुलाया। रास्ते में एक सुनसान स्थान पर बाइक रुकवाने के बाद पहले से मौजूद कथित प्रेमी और उसके साथियों ने संजय पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपित शव को जंगल में ले गए, जहां पहचान छिपाने के उद्देश्य से सिर को धड़ से अलग कर दिया गया और धड़ को जलाने का प्रयास किया गया। बाद में सिर को दूसरे जंगल क्षेत्र में जमीन के नीचे छिपा दिया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, गुप्त सूचनाओं और वैज्ञानिक तरीकों की सहायता से मामले का खुलासा किया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने मृतक का सिर बरामद कर लिया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त वाहन, एक धारदार हथियार, मोबाइल फोन तथा मृतक की बाइक भी जब्त की गई है।पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है और घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आयुष्मान कार्डधारकों के लिए जरुरी खबर, जानें आपके आसपास कौन-कौन से अस्पताल हैं रजिस्टर्ड

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश के करोड़ों मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने वाली आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लेकर सरकार ने एक बड़ा और जनहितैषी कदम उठाया है। यदि आप भी इस योजना के लाभार्थी हैं और अपने आयुष्मान कार्ड के जरिए मुफ्त इलाज कराने के लिए सही और मान्यता प्राप्त अस्पताल की तलाश कर रहे हैं, तो अब आपकी यह चिंता पूरी तरह समाप्त हो गई है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल के अंतर्गत अब कोई भी नागरिक घर बैठे ही देश भर के हजारों सूचीबद्ध सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों की पूरी सूची ऑनलाइन देख सकता है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा।

इस स्वास्थ्य योजना के तहत पात्र नागरिकों को गंभीर से गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए पांच लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की गारंटी दी जाती है। सरकार द्वारा जारी की गई नई ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से अब मरीज अपनी सुविधा और बीमारी की गंभीरता के हिसाब से देश के किसी भी कोने में स्थित पैनलबद्ध चिकित्सा संस्थानों का चयन कर सकते हैं। इस पारदर्शी प्रणाली के आने से मरीजों को पहले से यह पता रहेगा कि उनके नजदीकी क्षेत्र में कौन सा अस्पताल आयुष्मान कार्ड स्वीकार कर रहा है, जिससे वे बिना किसी नकद भुगतान (कैशलेस) के सीधे जाकर अपनी चिकित्सा प्रक्रिया शुरू करवा सकेंगे।

आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक बेहद सरल और यूजर-फ्रेंडली सर्च टूल को अपडेट किया है। अब लाभार्थियों को अस्पतालों की सूची देखने के लिए किसी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटने या दलालों के झांसे में आने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल या कंप्यूटर के जरिए योजना के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर कुछ ही सेकंड में अपने राज्य, जिले और वांछित चिकित्सा विशेषता (स्पेशियलिटी) के आधार पर सक्रिय अस्पतालों की एकदम सटीक और प्रमाणित सूची निकाल सकता है।

ट्रेन के डब्बे में सुहागरात!, बर्थ को बना दिया हनीमून सुइट, रेलवे का भी आया रिएक्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे के फर्स्ट एसी कोच का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक निजी केबिन की बर्थ को फूलों, गुब्बारों और गुलाब की पंखुड़ियों से इस तरह सजाया गया है कि वह किसी हनीमून सूट जैसा दिखाई देता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस छिड़ गई है और लाखों लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।वीडियो में दिखाई देता है कि फर्स्ट एसी के निजी केबिन की बर्थ पर फूलों की सजावट, गुलाब की पंखुड़ियों से बना दिल और छोटे-छोटे दीपक रखे गए हैं। इस अनोखी सजावट ने लोगों का ध्यान खींच लिया और देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया। इसे अब तक पांच लाख से अधिक बार देखा जा चुका है।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

वीडियो साझा करते हुए एक एक्स (पूर्व ट्विटर) यूजर ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को टैग करते हुए सवाल किया कि क्या भारतीय रेलवे फर्स्ट एसी कोच का इस्तेमाल सुहागरात मनाने के लिए करने की अनुमति देता है? इसके बाद पोस्ट पर सैकड़ों रिपोस्ट और बड़ी संख्या में टिप्पणियां आने लगीं। कुछ यूजर्स ने इसे निजी पसंद बताते हुए कहा कि यदि इससे किसी अन्य यात्री को परेशानी नहीं हो रही तो इसमें आपत्ति की कोई बात नहीं है। वहीं, कई लोगों ने इसे सार्वजनिक परिवहन के अनुचित इस्तेमाल से जोड़ते हुए सवाल उठाए।

ईरान के साथ युद्धविराम खत्म हुआ, अब नहीं करना चाहते डील, वे बहुत बुरे और बीमार लोग

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान

अंकारा,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समझौता अब खत्म हो गया है। तुर्की के अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने ये बात कही। ट्रंप ने आगे कहा, मेरे लिए, मुझे लगता है कि यह सब खत्म हो चुका है। मैं ईरानियों से निपटना नहीं चाहता। वे बीमार लोग हैं।

अंकारा में ट्रंप नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान एक पत्रकार ने उसने पूछा कि क्या ईरान के साथ युद्धविराम और 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन खत्म हो गया है। इस पर ट्रंप ने कहा, मेरे लिए, मुझे लगता है कि यह सब खत्म हो चुका है। मैं ईरानियों से निपटना नहीं चाहता। वे नीच हैं, वे बीमार लोग हैं। उनका नेतृत्व बीमार लोग कर रहे हैं और वे क्रूर,

हिंसक लोग हैं। ट्रंप ने आगे कहा, हमने कल रात ईरान के बेहद खतरनाक लोगों पर बहुत जोरदार हमला किया। उनमें कुछ गड़बड़ है। हम कहते हैं, जाओ और अपने अंतिम संस्कार के काम करो, लेकिन इसके बजाय उन्होंने कल जहाजों पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए। इसलिए हमने कल रात उन पर बहुत कड़ा प्रहार किया। ट्रंप ने ये टिप्पणी अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के 80 से भी ज्यादा ठिकानों पर किए हमले को लेकर आई है।

ट्रंप ने दावा किया कि ईरान एक ऐसे समझौते पर सहमत हो गया है, जिसके तहत वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, लेकिन बाद में उन्होंने इस तरह की प्रतिबद्धता जताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, वे झूठे हैं। हमने समझौता किया। सभी सहमत थे। कोई परमाणु हथियार नहीं। हमने समझौता किया। वे बाहर गए, प्रेस से बात की और उन्होंने कहा कि हमने इस बारे में कभी बात ही नहीं की।दरअसल, हाल ही में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 3 जहाजों पर हमला किया था। ईरान ने आरोप लगाया कि ये जहाज उसके निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। इसके बाद में अमेरिकी सेना ने शहीद हक्कानी बंदरगाह समेत 80 ईरानी ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले किए। ईरान ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी ड्रोन भी मार गिराया।

ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी अड्डों पर किए हमले, एमक्यू-9 ड्रोन भी मार गिराने का दावा

तेहरान/वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ता जा रहा है। आज अमेरिका ने ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में स्थिति अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमले किए हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने 85 से अधिक अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को भी मार गिराया है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी ने कहा, इस आक्रामकता की प्रारंभिक प्रतिक्रिया में आईआरजीसी, नौसेना और एयरोस्पेस फोर्स ने एक संयुक्त मिसाइल और ड्रोन अभियान चलाया, जिसमें दोनों देशों में 85 प्रमुख अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया, साथ ही एक एमक्यू-9 ड्रोन को भी मार गिराया गया। बहरीन में अमेरिकी 5वें बेड़े के क्षेत्र और कुवैत में अली अल सलेम हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया है।ईरान के हमले के दौरान कुवैत और बहरीन में सायरन बजने लगे। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत या नुकसान की कोई सूचना नहीं है। कुवैती सेना और बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने पुष्टि की कि हमला हुआ। है।

गाजा में इजरायली सेना की गोलाबारी, सहायता कर्मी और बच्चे समेत 7 लोगों की मौत

गाजा,(आरएनएस)। इजरायल का गाजा पट्टी पर हमला जारी है। इजरायली बलों ने मंगलवार को कई इलाकों में हवाई हमला किया है, जिसमें 7 लोग मारे गए हैं। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि मृतकों में एक आतंकी, एक मिस्र का सहायता कर्मी और एक बच्चा शामिल है। इजरायल रक्षा बलों ने बताया कि उन्होंने हमलों के दौरान हमास के एक आतंकवादी को निशाना बनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली बलों ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस के मवासी इलाके में हवाई हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 2 बच्चे घायल हो गए। इसके अलावा, पश्चिमी हिस्से में विस्थापित परिवारों के शिविर के पास दूसरा हवाई हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 5 अन्य घायल हो गए। खान यूनिस में तीसरे हवाई हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए।

पीएम मोदी का दौरा प्रवासी भारतीय परिवार के लिए सम्मान की बात : न्यूजीलैंड के पूर्व सांसद

ऑकलैंड (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के बाद न्यूजीलैंड जाएंगे। वहां भी प्रवासी भारतीय बड़ी तादाद में रहते हैं। जिससे भी बात करो वो भारत के पीएम का स्वागत करने को उत्सुक है। न्यूजीलैंड के सांसद महेश बिंद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑकलैंड यात्रा, भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी, व्यापार, निवेश, शिक्षा और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय समुदाय की भूमिका पर आईएएनएस से बात की।पूर्व सांसद ने कहा, "हमारे लिए सम्मान का विषय है कि 40 साल बाद हमारे देश के कोई पीएम न्यूजीलैंड पधार रहे हैं। प्रवासी भारतीयों का यहां बड़ा परिवार है और सभी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।द्विपक्षीय संबंधों से उन्हें काफी उम्मीदें हैं। आगे बोले, "हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि मोदी जी आ रहे हैं। हम बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे हैं। 40 साल बाद ये अवसर आया है; मैं इसे महत्वपूर्ण यात्रा मानता हूं। पिछले कई सालों से संबंध सुधरते चले जा रहे हैं; मैं समझता हूं मैत्री और भी गाढ़ी हो जाएगी।उन्होंने कहा कि हमारी ओर से भी रिश्तों को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं। बिंद्रा ने कहा, "मैं न्यूजीलैंड-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का अध्यक्ष हूं और इस दिशा में अपना योगदान दे रहा हूं। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लंबे समय से इंतजार था, और मुझे उम्मीद है कि इस दिशा में अब और प्रगति होगी।बिंद्रा ने एक और बात की ओर ध्यान दिलाया जो उनके मुताबिक उन्हें गौरवान्वित करती है। उन्होंने दावा किया, "पहली बार भारत के बाहर आधिकारिक स्तर पर किसी दूसरे देश में भारत को 'भारत' कहकर संबोधित किया गया है, जो हमारे लिए गर्व की बात है। हमारे संगठन का नाम भी न्यूजीलैंड-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज है।एफटीए से आखिर दोनों ओर बिजनेस क्लास में क्या बदलाव देखने को मिला है? इस सवाल पर बिंद्रा ने कहा कि एफटीए की दिशा में हुई प्रगति से दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और मजबूत हुआ है; इसका श्रेय भारत में 'इज ऑफ डुइंग बिजनेस' में हुए सुधारों को भी जाता है। पिछले 10 से 15 वर्षों में भारत में कारोबार करना पहले की तुलना में काफी आसान हुआ है, जिससे व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा हुए हैं।

कनाडा पुलिस ने निज्जर हत्याकांड में भारत की भूमिका से इनकार किया, कहा-कोई सबूत नहीं

ओटावा (आरएनएस)। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा पुलिस का बड़ा कुबूलनामा सामने आया है। पुलिस ने स्वीकार किया कि इस मामले में भारतीय अधिकारियों के शामिल होने का कोई सबूत नहीं है और भारत सरकार की संलिप्तता से जुड़ा कोई सबूत सामने नहीं आया है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगी गोल्डी बरार को निज्जर की हत्या का मास्टरमाइंड बताया है।रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि जांचकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि भारतीय अधिकारियों पर निज्जर हत्याकांड की जांच में आरोप लगाए गए थे या वे इसमें शामिल थे।

पुलिस उपायुक्त लीसा मोरलैंड ने कहा, इस संगठित अपराध जांच के दौरान भारतीय अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं या वे इस जांच में शामिल हैं। भारतीय सरकार को इससे जोड़ने वाला कोई सबूत सामने नहीं आया है।

हाल ही में अमेरिका ने बिश्नोई और बरार पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाया है। एक संघीय अभियोग में बिश्नोई पर 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की गोली मारकर हत्या करने का आदेश देने का आरोप लगाया गया है।

चार साल बाद भी वीरान पड़ा नेपाल का गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नियमित विदेशी उड़ानों का इंतजार

काठमांडू, (आरएनएस)। नेपाल के भैरहवा में गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा उद्घाटन के चार वर्ष बाद भी नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का इंतजार कर रहा है। आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित होने के बावजूद यहां अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन न होने से अधिकांश समय सन्नाटा पसरा रहता है। हवाई अड्डे का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल अत्याधुनिक अवसंरचना, इमिग्रेशन काउंटर, सुरक्षा प्रणाली और सक्षम रनवे से लैस है। हालांकि, निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के अभाव में यहां कभी-कभार चार्टर उड़ानें ही आती हैं और कुछ यात्रियों के आने-जाने के बाद फिर से सन्नाटा छा जाता है। हवाई अड्डा अधिकारियों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि समस्या बुनियादी ढांचे की नहीं, बल्कि कमजोर बाजार प्रबंधन, नीतिगत खामियों और सरकारी एजेंसियों, एयरलाइंस तथा ट्रैवल ऑपरेटरों के बीच

समन्वय की कमी की है।गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्यवाहक महाप्रबंधक श्याम किशोर शाह ने बताया कि थाई एयर एशिया बैंकॉक-भैरहवा-बैंकॉक मार्ग पर सप्ताह में दो नियमित उड़ानें संचालित करती थी, लेकिन मार्च में शीतकालीन शेड्यूल समाप्त होने के बाद यह सेवा बंद हो गई। ग्रीष्मकालीन शेड्यूल शुरू होने के बाद से अक्टूबर तक कोई नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ान नहीं है, हालांकि बीच-बीच में चार्टर उड़ानें जारी हैं। शाह के अनुसार एयरलाइंस ने नियमित उड़ानें बंद करने का मुख्य कारण पर्याप्त यात्रियों की कमी बताया है।उन्होंने कहा, विमान तो आते हैं, लेकिन अपेक्षित संख्या में यात्री नहीं मिलते। प्रस्थान के समय कुछ यात्री होते हैं, लेकिन वापसी की उड़ानें लगभग खाली रहती हैं। व्यावसायिक एयरलाइंस लाभ को प्राथमिकता देती हैं, इसलिए ऐसी स्थिति में नियमित संचालन बनाए रखना कठिन हो जाता है। हालांकि, शाह का मानना है कि समस्या संभावित यात्रियों की कमी नहीं, बल्कि यात्रियों के प्रभावी प्रबंधन की है। उन्होंने कहा कि पहले मधेश, कोशी और सुदूरपश्चिम सहित विभिन्न प्रदेशों के यात्री भैरहवा से यात्रा करते थे, लेकिन यात्रियों को एयरलाइंस से जोड़ने की आवश्यक व्यवस्था विकसित नहीं की गई।

फीचर

कर्ली बालों की देखभाल के लिए खरीदते हैं प्रोडक्ट्स? इन 5 बातों का रखें ध्यान

कर्ली बालों की देखभाल के लिए खास ध्यान देने की जरूरत होती है। जब आप कर्ली बालों के लिए प्रोडक्ट्स खरीदते हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए ताकि आपके बाल स्वस्थ और सुंदर दिखें। सही प्रोडक्ट्स का चयन करने से न केवल आपके बाल मजबूत होते हैं, बल्कि उनकी चमक भी बढ़ती है। आइए जानते हैं कि कर्ली बालों के लिए प्रोडक्ट्स खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

प्राकृतिक चीजों का चयन करें

जब भी आप कर्ली बालों के लिए कोई प्रोडक्ट खरीदें तो उसमें प्राकृतिक चीजें होनी चाहिए। हर्बल और प्राकृतिक सामग्रियां बालों को पोषण देती हैं और उन्हें स्वस्थ रखती हैं। केमिकल्स वाले प्रोडक्ट्स से बचें क्योंकि ये बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उनकी चमक को कम कर सकते हैं। प्राकृतिक चीजों वाले प्रोडक्ट्स आपके बालों को नमी प्रदान करते हैं और उन्हें टूटने से बचाते हैं।

नमी बहुत जरूरी है

कर्ली बालों को नमी की बहुत जरूरत होती है। इसलिए ऐसे शैंपू और कंडीशनर चुनें, जो आपके बालों को गहराई से नमी दें। बिना सल्फेट और पैराबेन वाले प्रोडक्ट्स का उपयोग करें ताकि आपके बाल मुलायम और चमकदार रहें। इसके अलावा नमी बनाए रखने के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार हेयर मास्क का उपयोग करें। यह आपके बालों को पोषण देगा और उन्हें टूटने से बचाएगा।

हल्के तेलों का करें इस्तेमाल

हल्के तेल जैसे नारियल तेल या जोजोबा तेल आपके कर्ली बालों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये तेल बालों की जड़ों तक पहुंचकर उन्हें मजबूत बनाते हैं और उनकी चमक बढ़ाते हैं। रात को सोने से पहले इन तेलों की मालिश करें और सुबह धो लें। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार रहेंगे। इसके अलावा इन तेलों का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को पोषण देता है और उन्हें टूटने से बचाता है।

सुलझाने के लिए सही ब्रश का उपयोग

कर्ली बालों को सुलझाने के लिए सही ब्रश का चयन करना बहुत जरूरी है। डिटैंगलिंग ब्रश या वाइड टूथ कॉम्ब आपके बालों को बिना टूटे सुलझा सकता है। गीले बालों पर हल्के हाथों से उपयोग करें ताकि बाल कमजोर न हों। इसके अलावा बालों को सुलझाने से पहले थोड़ा सा कंडीशनर लगाएं, इससे बाल आसानी से सुलझेंगे और उनकी चमक भी बढ़ेगी। नियमित उपयोग से आपके बाल मुलायम और स्वस्थ रहेंगे।

गर्मी से बचाव करें

गर्मी आपके कर्ली बालों के लिए सबसे बड़ा दुश्मन होती है। हेयर ड्रायर या स्ट्रेटनर का उपयोग करने से बचें क्योंकि ये आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर आपको बालों को सेट करना है तो पहले हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे लगाएं ताकि बाल सुरक्षित रहें। इसके अलावा गर्मी वाले उपकरणों का उपयोग कम से कम करें और प्राकृतिक तरीकों से अपने बालों को सुखाने की कोशिश करें। इससे आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और उनकी चमक भी बढ़ेगी।

मालविका मोहनन का बोल्ड लुक देख फैंस हुए लट्टू, एक्ट्रेस ने बिकिनी में ढाया कहर, इंटरनेट का बढ़ा तापमान

अभिनेत्री मालविका मोहनन आजकल सोशल मीडिया पर छाई हुई है. उनके सोशल मीडिया पर छाने की वजह से उनकी खूबसूरत फोटोज. जो आजकल इंटरनेट पर वायरल हो रही है. आपको बता दें कि मालविका मोहनन फैन्स की फेवरेट हीरोइन में से एक हैं. मालविका इंटरनेट पर भी काफी सक्रिय रहती हैं और फैन्स को सरप्राइज करने का मौका नहीं छोड़ती हैं. अब अभिनेत्री ने बिकिनी फोटोज से सोशल मीडिया पर पर हंगामा मचा दिया है. अभिनेत्री मालविका ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अपनी बिकिनी फोटोज साझा की हैं, जिसमें उनका बोल्ड लुक दिखा. पेस्टल कलर की बिकिनी में मालविका किलर लगीं. बिकिनी को उन्होंने प्रिंटेड स्कार्फ से कवर किया हुआ था, जो ट्रॉपिकल लुक के लिए एकदम परफेक्ट है. नीले आसमान, रेत और पेड़ों के बीच मलाविका का हॉलिडे आउटफिट कम्फर्ट, एलीगेंस और मॉडर्न बीचवियर को दर्शाता है.जब बात हॉलिडे ड्रेसिंग की आती है, मलाविका मोहनन को पता है कि बिना किसी दिखावे के स्टाइल कैसे बनाए रखना है. उनका लेटेस्ट बीच लुक फ्रेश, मिनिमल और लग्जरी आइलैंड गेटअवे के लिए एकदम सूट करता है. अभिनेत्री मलाविका मोहनन रेत पर पेस्टल टोन की सॉफ्ट बिकिनी में क्लासी लुक से ध्यान खींचती दिखीं. स्टाइलिंग को मिनिमल रखते हुए मलाविका ने अपने आउटफिट के साथ मेटालिक बैंगल्स का स्टैक पहना.

लंबे स्टेटमेंट इयररिंग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप से उन्होंने अपना लुक कंप्लीट किया. उनका दमकता हुआ चेहरा धूप में और भी निखरा दिखा.फैन्स मालविका के बिकिनी लुक को परफेक्ट और क्लासी बता रहे हैं. फैन्स फायर इमोजी बनकर उनके बिकिनी लुक को एक नंबर बता रहे हैं. आपको बता दें कि मालविका मोहनन ने कई मूवीज में अभिनय कर चुकी हैं.

वर्क फ्रॉम होम या बारिश का जादू? नुसरत भरूचा का मजेदार पोस्ट हुआ वायरल

वर्क फ्रॉम होम के दौरान ध्यान भटकना आजकल लगभग हर किसी की कहानी बन चुकी है। लेकिन अभिनेत्री नुसरत भरूचा के लिए इसकी वजह कोई सोशल मीडिया या फोन नहीं, बल्कि मानसून का खूबसूरत नज़ारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने घर पर वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें उनकी फिटनेस के साथ-साथ बारिश से सराबोर खूबसूरत माहौल ने भी सबका ध्यान खींच लिया। तस्वीरों में नुसरत व्हाइट स्पोर्ट्स टॉप, ब्राइट रेड शॉर्ट्स और मैचिंग स्नीकर्स पहने नजर आ रही हैं। वह डंबल्स के साथ एक्सरसाइज, स्क्वैट्स और स्ट्रेचिंग करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बारिश के मनमोहक नज़ारे का आनंद लेती भी नज़र आ रही हैं। वैसे घर पर रहकर फिटनेस को प्राथमिकता देने के साथ उन्होंने एक बार फिर हेल्दी लाइफस्टाइल की झलक दिखाई है। हालांकि, इस पोस्ट की सबसे खास बात उसका कैप्शन है। मानसून के खूबसूरत मौसम और हरियाली से घिरे नज़ारों के बीच नुसरत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, उन्होंने कहा था, वर्क फ्रॉम होम उनका यह कैप्शन साफ तौर पर इशारा करता है कि ऐसे सुहाने मौसम में काम पर ध्यान केंद्रित करना कितना मुश्किल हो जाता है। पोस्ट में बालकनी से दिखता हराभरा नज़ारा, बादलों से घिरा आसमान और शांत वातावरण मानसून की खूबसूरती को और भी खास बना रहा है। यही वजह है कि नुसरत का यह पोस्ट उन लोगों से भी जुड़ गया जो घर से काम करते हुए अक्सर बारिश के मौसम में खिड़की या बालकनी की ओर खिंचे चले जाते हैं।नुसरत भरूचा अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी फिटनेस, कभी फैशन, कभी ट्रैवल तो कभी पर्दे के पीछे के खास पलों से सजे उनके पोस्ट फैंस को काफी पसंद आते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का-फुल्का और रिलेटेबल पोस्ट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और याद दिला रहा है कि कभी-कभी काम के बीच कुछ पल प्रकृति का आनंद लेना भी जरूरी होता है।

पानी आधारित बनाम दूध आधारित टोनरः कौन-सा विकल्प है किस तरह की त्वचा के लिए सही?

टोनर त्वचा की देखभाल का एक जरूरी उत्पाद है, जो चेहरे की सफाई के बाद त्वचा को ताजगी और नमी देने में मदद करता है। बाजार में कई तरह के टोनर मिलते हैं, जिनमें से पानी आधारित और दूध आधारित टोनर सबसे ज्यादा चर्चित हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसका उपयोग किसे करना चाहिए? आइए जानते हैं कि पानी आधारित टोनर और दूध आधारित टोनर में से किसका चयन बेहतर होता है।

पानी आधारित टोनर क्या है और इसका उपयोग कैसे करें?

पानी आधारित टोनर प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं और इनका मुख्य उद्देश्य त्वचा को नमी देना और उसे पोषण देना होता है। ये हल्के होते हैं और जल्दी त्वचा में समा जाते हैं, जिससे त्वचा को ताजगी मिलती है। इनका उपयोग करने का तरीका है कि चेहरे को साफ करने के बाद सूती कपड़े पर थोड़ा-सा टोनर लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को साफ करने के साथ-साथ उसे नमी भी प्रदान करता है।

दूध आधारित टोनर क्या है और इसे कैसे उपयोग करें?

दूध आधारित टोनर में दूध के पोषक तत्व होते हैं, जो त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं। ये टोनर खासकर सूखी त्वचा वालों के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को गहराई से नमी देते हैं और मुलायम बनाते हैं। इसका उपयोग करने के लिए एक सूती कपड़े पर थोड़ा-सा टोनर लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है।

किस प्रकार की त्वचा के लिए पानी आधारित टोनर है बेहतर?

पानी आधारित टोनर सभी प्रकार की त्वचा वालों के लिए उपयुक्त होते हैं, लेकिन खासकर तैलीय और मिश्रित त्वचा वालों के लिए ये अधिक फायदेमंद होते हैं। ये टोनर त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करते हैं और रोमछिद्रों को छोटा करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये टोनर त्वचा की ताजगी बनाए रखते हैं और इसे नमी देते हैं। अगर आपकी त्वचा तैलीय या मिश्रित है तो पानी आधारित टोनर आपका सही चयन हो सकता है।

किस प्रकार की त्वचा के लिए दूध आधारित टोनर है अच्छा विकल्प?

दूध आधारित टोनर सूखी त्वचा वालों के लिए बेहतरीन होते हैं, क्योंकि इनमें मौजूद दूध के तत्व त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं। यह टोनर खासकर सर्दियों में बहुत फायदेमंद होते हैं, जब हवा में नमी कम होती है और त्वचा सूखी हो जाती है। इसे उपयोग करने पर त्वचा मुलायम और नमी युक्त महसूस होती है। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो दूध आधारित टोनर आपका सही चयन हो सकता है।

राजनांदगांव जिले में अब तक 1708.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव,(आरएनएस)। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 1708.2 मिमी बारिश एवं औसत 244 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 273.9 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 289.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 332.5 मिमी, घुमका तहसील में 122 मिमी, छुरिया तहसील में 200.8 मिमी, कुमरदा तहसील में 259.3 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 230.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 332.5 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 40.5 मिमी एवं औसत 5.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 8.7 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 3 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 8.1 मिमी, घुमका तहसील में 9.5 छुरिया तहसील में 1.2 मिमी, कुमरदा तहसील में 4 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा घुमका तहसील में 9.5 मिमी दर्ज की गई है।

परिजनों के सहमति से बालिकाओं को लगाया जा रहा एचपीवी टीका

राजनांदगांव,(आरएनएस)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 14 से 15 वर्ष तक की किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संचालित समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में परिजनों की सहमति से 14 से 15 वर्ष तक की किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत चिकित्सा अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कार्यकताओं द्वारा परामर्श कर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संचालित सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत 14 से 15 वर्ष तक की बालिकाओं का एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। एचपीवी टीकाकरण कार्य में प्रगति लाने तथा अभियान में समस्त अभिभावकों एवं संस्था प्रमुखों को सम्मिलित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत शासकीय विद्यालय बैगापारा लखोली, दिपिका विद्या मंदिर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्हारपुरी, शासकीय स्कूल हल्दी, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंगदई, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोतीपुर सहित अन्य स्थलों पर परिजनों की सहमति से बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की जिला परिषद एवं जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

राजनांदगांव (आरएनएस)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ शाखा राजनांदगांव की जिला परिषद एवं जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला स्काउट-गाइड भवन स्टेट स्कूल राजनांदगांव में आयोजित की गई। बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26 तथा प्रस्तावित जिला वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 का अनुमोदन किया गया। जिला स्तरीय तृतीय सोपान निपुन जांच का आयोजन पर चर्चा की गई। चर्चा उपरांत डोंगरगढ़ विकासखण्ड में जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में जिला स्तरीय तृतीय सोपान निपुन जांच आयोजित किये जाने निर्णय लिया गया। प्रस्तावित जिला एडवेंचर एवं प्रशिक्षण स्थल भूमि गाजमर्रा डोंगरगढ़ विषय पर चर्चा कर आगामी कार्रवाई किए जाने निर्णय लिया गया।

रायपुर की थ्रीडी फैक्ट्री में भीषण धमाका, 2-3 मजदूरों की मौत की आशंका; कई घायल

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र स्थित बेन्द्री की एक थ्रीडी फैक्ट्री में मंगलवार शाम भीषण धमाका हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में 2 से 3 मजदूरों की मौत की आशंका है, जबकि कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, दमकल और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है और फैक्ट्री परिसर की तलाशी ली जा रही है। फिलहाल विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद हादसे के कारणों और नुकसान की विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

बालको ने फर्जी वेबसाइट, डोमेन और ई-मेल से सावधान रहने की अपील की

कोरबा-बालकोनगर (आरएनएस)। वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने नागरिकों, कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों एवं अन्य हितधारकों से साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि बालको के नाम, ब्रांड, उत्पाद अथवा सेवाओं से मिलते-जुलते फर्जी डोमेन, वेबसाइट और ई-मेल आईडी का उपयोग कर लोगों को गुमराह करने तथा संवेदनशील जानकारी हासिल करने के प्रयास किए जा सकते हैं।बालको प्रबंधन के संज्ञान में आया है कि साइबर अपराधी ऐसे डोमेन और ई-मेल आईडी का उपयोग कर सकते हैं, जो देखने में कंपनी के आधिकारिक माध्यमों से मिलते-जुलते प्रतीत होते हैं। इनका उद्देश्य गोपनीय, व्यक्तिगत, वित्तीय अथवा व्यावसायिक जानकारी प्राप्त करना, मैलवेयर फैलाना या अन्य प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देना हो सकता है।

नवाटोली में श्रीजी परिवहन सुविधा केन्द्र का हुआ शुभारंभ

जशपुरनगर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय जशपुर के नवाटोली स्थित श्रीजी परिवहन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ विगत दिवस 05 जुलाई 2026 को उप पुलिस महानिरीक्षक डीआईजी जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों को परिवहन विभाग द्वारा दी जा रही विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि इस नवीन केन्द्र के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन संबंधी सेवाओं एवं अन्य परिवहन सेवाओं का लाभ आम नागरिकों को सरल एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर कुल 05 पात्र आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस एवं हेलमेट वितरित किए गए। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ वाहन चलाने तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, परिवहन सुविधा केन्द्र के संचालक, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। नवीन केन्द्र के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को परिवहन संबंधी सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

सुकमा में पांच दिनों तक मॉनसून की रिमझिम बारिश के साथ छाए रहेंगे बादल

सुकमा,(ए.)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (मौसम केन्द्र, रायपुर) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार सुकमा जिले में अगले 5 दिनों (08 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक) मौसम का मिजाज पूरी तरह से खुशनुमा रहने वाला है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस दौरान जिले में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की जाएगी। विशेषकर 08 जुलाई को सर्वाधिक 25 मिमी बारिश होने की संभावना है, जबकि शेष दिनों में 10 से 15 मिमी तक वर्षा हो सकती है। इस रिमझिम फुहारों से सुकमा वासियों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी और मौसम सुहावना बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार जिले में मध्यम से अधिक या पूरी तरह से बादल छाए रहने की उम्मीद है। बादलों की इस अठखेलियों के बीच जिले का अधिकतम तापमान स्थिर रूप से 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आस-पास दर्ज किया जाएगा, जो आम जनजीवन के लिए काफी आरामदायक साबित होने वाला है। हवाओं में घुलेगी नमी, दक्षिण-पश्चिम से आएगी ठंडी बयार मौसम में इस बदलाव के साथ ही सुकमा जिले की हवाओं में भारी नमी (आर्द्रता) महसूस की जाएगी। सुबह और दोपहर के समय हवा में नमी का स्तर 90 प्रतिशत से 65 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना जताई गई है । इसके साथ ही, जिले में मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से ठंडी हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों को बारिश के दौरान एहतियात बरतने की सलाह दी है। वज्रपात (आकाशीय बिजली) और अचानक तेज होने वाली हवाओं से बचने के लिए खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें। किसान भाई भी मौसम के इस मिजाज को ध्यान में रखकर अपने खेतों में जल प्रबंधन और बुआई से जुड़े जरूरी फैसले ले सकते हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बरसात के मौसम में डेंगू एवं मलेरिया बीमारी से बचाव के लिए दी गई समसामयिक सलाह

राजनांदगांव, (आरएनएस)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में मौसम में डेंगू एवं मलेरिया से सतर्क रहने एवं बचाव के लिए समसामयिक सलाह दी गई है। वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है। डेंगू एवं मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए समय रहते आवश्यक सावधानी अपना कर डेंगू एवं मेलेरिया से परिवार को सुरक्षित रखा जा सकता है। किसी भी व्यक्ति को तेज बुखार, सिर दर्द, शरीर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी अथवा कमजोरी होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। नागरिक अपने घरों एवं आसपास पानी जमा नहीं होने दें तथा नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखें। जिससे मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सकती है। सभी शासकीय विभागों, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों एवं आमजन से मच्छरजनित रोगों की रोकथाम हेतु संचालित जनजागरूकता एवं स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग करने की

अपील की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि डेंगू और मलेरिया दोनों ही मच्छरों के काटने से फैलने वाली गंभीर बीमारी हैं। थोड़ी सी लापरवाही बीमारी का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि घरों, दुकानों, कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर टायर, गमले, नारियल के खोल, पानी की टंकियों, फ्रिज ट्रे, टूटे बर्तन एवं अन्य पात्रों में पानी जमा नहीं होने दें। प्रत्येक सप्ताह ड्राई डे मनाकर पानी की टंकियों एवं कूलरों को खाली कर साफ करें तथा सुखाकर पुन: उपयोग करें। यदि किसी पात्र, गड्ढे अथवा अनुपयोगी स्थान पर जमा पानी में मच्छरों के लार्वा दिखाई दें, तो उस पानी की सतह पर थोड़ी मात्रा में इस्तेमाल योग्य तेल व जला हुआ मोबिल ऑयल डाल सकते हैं। जिससे पानी के ऊपर एक पतली परत बन जाती है। यह परत लार्वा को ऑक्सीजन लेने से रोकती है, जिससे लार्वा नष्ट हो जाते हैं। साथ ही ऐसे स्थानों को तुरंत साफ कर पानी जमा होने से रोकना आवश्यक है।

खेल समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग: ईशान किशन नंबर-1 पर कायम, जैकब बेथेल ने टॉप-10 में लगाई बड़ी छलांग

दुबई (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ताजा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन ने नंबर-1 का ताज बरकरार रखा है। वहीं, अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, जिससे शीर्ष दो स्थानों पर भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम है।रैंकिंग में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे, इंग्लैंड के फिल साल्ट चौथे और श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे और इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें नंबर पर मौजूद हैं।इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को इस सप्ताह सबसे बड़ा फायदा मिला है। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेलने के बाद बेथेल सात स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श नौवें और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं।टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग

में अफगानिस्तान के राशिद खान पहले स्थान पर कायम हैं। पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, जबकि इंग्लैंड के आदिल रशीद एक स्थान की बढ़त के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा भी एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर हैं।भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दो स्थान फिसलकर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो स्थान नीचे खिसककर आठवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर बने हुए हैं।भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टी20 सीरीज के अभी दो मुकाबले बाकी हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अगली ICC टी20 रैंकिंग में और बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कोलंबिया विश्व कप से बाहर होते ही छलका कोच लोरेंजो का दर्द, बोले- मौकों का फायदा नहीं उठा सके

वैंकूवर (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद कोलंबिया का सफर टूर्नामेंट में खत्म हो गया। हार के बाद कोलंबिया के हेड कोच नेस्टर लोरेंजो ने कहा कि उनकी टीम ने पूरे मुकाबले में बेहतर

प्रदर्शन किया और 90 मिनट के खेल के आधार पर वह जीत के ज्यादा हकदार थे।कोलंबिया और स्विट्जरलैंड के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। दोनों टीमें 120 मिनट तक एक भी गोल नहीं कर सकीं। कोलंबिया ने मैच में ज्यादा समय तक गेंद पर नियंत्रण रखा और गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही। कोलंबिया के पास मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका अतिरिक्त समय के आखिरी हिस्से में आया। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी जैमिंटन कैम्पाज गोलकीपर को पार करने में सफल रहे, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। यह मौका गंवाना टीम के लिए भारी साबित हुआ। अतिरिक्त समय में भी मुकाबला गोलरहित रहने के बाद मैच का नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकाला गया। इसमें स्विट्जरलैंड ने 4-3 से जीत दर्ज की। रुबेन वर्गास ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में तब्दील करते हुए टीम को क्वार्टर फाइनल का टिकट दिलाया।मैच के बाद लोरेंजो ने कहा कि उनकी टीम को अपने मौकों का फायदा उठाना चाहिए था। उन्होंने माना कि मुकाबला काफी रणनीतिक और मुश्किल था, लेकिन खिलाड़ियों के प्रयास और आक्रामक सोच को देखते हुए कोलंबिया 90 मिनट में बेहतर नतीजे का हकदार था। लोरेंजो ने कहा कि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, खिलाड़ियों पर थकान का असर दिखाई देने लगा और टीम को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। उन्होंने बताया कि जैमिंटन कैम्पाज को इसी वजह से मैदान पर उतारा गया था ताकि टीम को ज्यादा आक्रामक बनाया जा सके। कोच ने अपनी टीम के खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि ये सभी खिलाड़ी दुनिया की बड़ी लीगों में खेलते हैं और उनमें शानदार क्षमता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए वेस्टइंडीज का ऐलान, युवा गेंदबाज की एंट्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले तीन मुकाबलों के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट ने 15

सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। 19 वर्षीय युवा स्पिन गेंदबाज विटेल लॉज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। विटेल लॉज ने मौजूदा घरेलू सीजन से पहले आयोजित तैयारी शिविर में सीनियर टीम के साथ भी अभ्यास किया था। उन्होंने इस साल हुए आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट अपने नाम किए थे। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम रहा।इंटरनेशनल क्रिकेट के स्तर पर खुद को बेहतर तरीके से ढालने में इस युवा खिलाड़ी की मदद के लिए स्पिन गेंदबाजी कोच निकिता मिलर को सीरीज के गुयाना चरण के लिए टीम मैनेजमेंट में शामिल किया गया है। वह अब इस खिलाड़ी के साथ मिलकर उसकी गेंदबाजी को और निखारने तथा इंटरनेशनल क्रिकेट की चुनौतियों के लिए तैयार करने का काम करेंगे। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने वाले ज्यादातर खिलाड़ियों को ही स्क्वॉड में रखा गया है। हालांकि, शिमरोन हेटमायर मेजर लीग में हिस्सा लेने की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, मां के निधन के कारण ऑलराउंडर शमार स्प्रिंगर ने इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। स्प्रिंगर की जगह पर कीमो पॉल को वनडे टीम में शामिल किया गया है।हेड कोच डैरेन सैमी ने कहा कि न्यूजीलैंड सीरीज 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से वेस्टइंडीज के लिए अहम सीरीज होगी। उन्होंने कहा, 50 ओवर के वर्ल्ड कप से पहले हम यहां से जो भी सीरीज खेलेंगे, हम उन्हें जरूरी जीत के तौर पर देखेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच हमें एक वनडे यूनिट के तौर पर अपने सुधार को जारी रखने और कैरिबियन के लोगों के लिए और ज्यादा मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका देते हैं। श्रीलंका के खिलाफ एंटीगुआ में टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद 8 जुलाई को टीम गुयाना में एकत्रित होगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 11 जुलाई को खेला जाना है, जबकि दूसरा मैच 13 और तीसरा एकदिवसीय मुकाबला 16 जुलाई को खेला जाएगा। शुरुआती तीनों वनडे मुकाबलों की मेजबानी गुयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम करेगा। यूजीलैंड के खिलाफ पहले 3 वनडे मैचों के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वॉड: शाई होप (कप्तान), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, विटेल लॉज, गुडाकेश मोटी, कीमो पॉल, शेरफेन रदरफोर्ड और जेडन सील्स।

सौरव गांगुली की बायोपिक का पहला पोस्टर जारी, राजकुमार राव ने जन्मदिन पर दिया तोहफा

मुंबई (आरएनएस)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के 54वें जन्मदिन पर बुधवार को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर राजकुमार राव

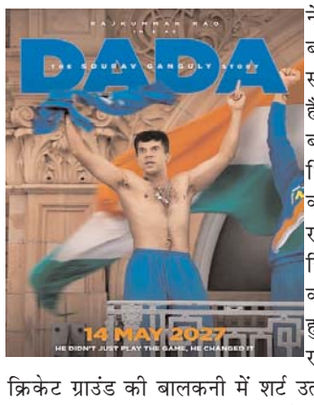

ने क्रिकेटर की आने वाली बायोपिक दादा: द सौरव गांगुली स्टोरी का पहला लुक शेयर किया है। सौरव गांगुली की यह बायोपिक अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। गांगुली को जन्मदिन की बधाई देते हुए राजकुमार ने पोस्टर जारी किया, जिसमें एक्टर पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली का रोल करते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर में राजकुमार राव मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 की नेटवेस्ट ट्रॉफी जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा मनाए गए ऐतिहासिक जश्न को दोबारा जीवंत कर रहा है। राजकुमार के पीछे लहराता विशाल भारतीय तिरंगा इस पोस्टर को और भी दमदार और भावनात्मक बना रहा है।फिल्म का टाइटल, दादा, पोस्टर पर नीले अक्षरों में लिखा है, जिसके ऊपर उपशीर्षक द सौरव गांगुली स्टोरी लिखा है।

4 मुकाबलों के बाद आप बुरी टीम नहीं बन जाते, तीसरे टी20 में करारी हार के बाद बोले कोच गंभीर

नॉटिंघम (आरएनएस)।। भारतीय टीम को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 125 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर भारत का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम महज 76 रन बनाकर सिमट गई। हालांकि, हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम का बचाव किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप चार मैच के बाद बुरी टीम नहीं बन जाते। कभी-कभार आपकी विरोधी टीम अच्छा खेलती है, कभी आप परिस्थितियों को ठीक तरह से भांप नहीं पाते हैं। गेम को समझना भी काफी जरूरी है, जो हम आयरलैंड सीरीज से नहीं कर सके हैं। हेड कोच ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि इंग्लैंड क्या करने की कोशिश करेगा, लेकिन हमको खुद को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। सबसे ज्यादा जरूरी बात यह है कि इस मुकाबले में आज शायद हमारा दिन खराब था,क्योंकि आप पिछले दो टी20 मैचों को देखेंगे, तो हमने 190 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए थे। जब आप हाई-रिस्क वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसी चीजें हो सकती हैं।

तीसरे टी20 में इंग्लैंड से मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम शुरुआत से ही बैकफुट पर नजर आई। अभिषेक शर्मा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 10 रन बनाकर आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी 5 गेंदों में 13 रन बनाने के बाद जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ईशान किशन 13 रन ही बना सके,जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 5 रन बनाए। अक्षर पटेल 10 और तिलक वर्मा सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। हर्षित राणा (9 रन) और शिवम दुबे (2 रन) को जोश टंग ने पवेलियन भेजा। भारतीय बल्लेबाजों ने सिर्फ 11.4 ओवर में ही घुटने टेक दिए और पूरी टीम 76 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रनों के लिहाज से यह भारतीय टीम की टी20 इंटरनेशनल में अब तक की सबसे बड़ी हार है।

ड्रॉ रहा दूसरा टेस्ट मैच, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ 23 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

एंटीगुआ, (आरएनएस)। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। श्रीलंका से मिले 302 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 109 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया। वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है। इसके साथ ही पिछले 3 साल और 5 महीने में यह कैरेबियाई टीम की पहली टेस्ट सीरीज जीत है। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैंपबेल 113 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि किंग 5 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे। इससे पहले श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 9 विकेट खोकर 251 रन बनाने के बाद घोषित की।

टीम की तरफ से दिनेश चांदीमल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 107 गेंदों का सामना करते हुए 71 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, कामिंदु मेंडिस ने 58 गेंदों में 44 रन बनाए। सोनल दिनुशा ने 28 और धनंजय डी सिल्वा ने 34 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से गेंदबाजी में अल्जारी जोसेफ ने 2 विकेट चटकाए, तो शेमार जोसेफ, रोस्टन चेज और जेयडन सील्स ने एक-एक विकेट चटकाया।

श्रीलंका ने पहली पारी में 9 विकेट गंवाकर 549 रन बनाने के बाद अपनी पहली पारी को घोषित किया था। टीम की ओर से लाहिरू उदारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 188 रनों की उम्दा पारी खेली, जबकि सोनल ने 92 और कामिंदु मेंडिस ने 84 रनों का योगदान दिया।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में त्रिकोणीय संघर्ष

उपाध्यक्ष और सचिव के पद पर बना हुआ है रोचक मुकाबला

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव मुख्य रूप से त्रिकोणीय बने हुए हैं। अध्यक्ष पद की तरह ही उपाध्यक्ष और सचिव पद के लिए भी रोचक मुकाबला बना हुआ है। जैसे जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है। वैसे वैसे चुनाव रोमांचक होता जा रहा है। सभी प्रत्याशी जोर अजमाईश में लगे हुए हैं। सोशल मीडिया पर जमकर प्रचार हो रहा है। वहीं अब प्रत्याशियों के द्वारा जनसंपर्क भी शुरू कर दिया गया है। कोर्ट के समय कोर्ट परिसर में उम्मीदवार अपने पक्ष में मत देन के लिए अनुरोध कर रहे हैं। वहीं कोर्ट से छुट्टी होने पर मतदाओं के डोर टू डोर संपर्क करने में लगे हुए हैं। प्रत्याशियों के परिजन भी प्रचार कर रहे हैं। जो मतदाता बाहर हैं उन्हें मतदान के दिन शहर में बुलाने के प्रयास जारी हैं।

उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप सिंह ठाकुर, केशव सिंह चौहान, और नीरज कुमार पटेल मैंदान में हैं। वहीं सचिव पद के लिए भी तीन प्रत्याशी जोर अजमाईश कर रहे हैं। सचिव पद के प्रत्याशी आशीष सिंह ठाकुर, अनुपम दुबे व मोहन लाल यादव के बीच सीधा मुकाबला है।

समर्थक भी जुट गए प्रचार में

प्रत्याशी तो चुनाव प्रचार में लगे ही हुए हैं। वहीं अब प्रत्याशियों के समर्थन में भी अनेक अधिवक्ता मित्र गण जुट गए हैं। जोर शोर के साथ चुनावी माहौल बन गया है। न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के द्वारा चुनाव के संबंध में ही माहौल बनाया जा रहा है। चुनाव अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं के द्वारा भी प्रत्याशियों पर नजर रखी जा रही है। सभी प्रत्याशी और उनके समर्थक शालीनता के साथ चुनाव में लगे हुए हैं। चुनाव अब सिर्फ न्यायालय परिसर तक ही सीमित नहीं रह गया है।

बिना डायवर्शन कृषि भूमि के अन्य प्रयोजन के उपयोग पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

12 प्रकरणों में किया गया 20 लाख 87 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में शत-प्रतिशत भू-राजस्व वसूली सुनिश्चित करने एवं कृषि भूमि के अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा विजय राय के नेतृत्व में बिना विधिवत डायवर्जन (व्यपवर्तन) कर कृषि भूमि का व्यावसायिक अथवा अन्य गैर-कृषि प्रयोजनों में उपयोग करने वाले भूमिस्वामियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 59 के अंतर्गत बिना अनुमति कृषि भूमि का अवैध उपयोग करने के कुल 12 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 20,87,866 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। प्रशासन की सख्ती का असर यह रहा कि ग्राम भरलाय एवं बरहानपुरा के पांच भूमिस्वामियों ने नोटिस प्राप्त होने के बाद 1,95,210 की बकाया राशि तत्काल शासकीय खजाने में जमा कर दी। वहीं, बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अर्थदंड जमा नहीं करने वाले सात बड़े बकायादारों के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) न्यायालय ने उनकी चल एवं अचल संपत्तियों की कुर्की तथा राजस्व अभिलेखों में अर्थदंड की प्रविष्टि दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। संबंधित बकायादारों में बनापुरा निवासी श्रीमती श्रद्धा पति अनुराग गौर, पदमकांत पिता विजयशंकर, बलराम गौर पिता राधेलाल गौर, श्रीमती सरोज पति लीलाधार, कैलाश पिता रामेश्वर अग्रवाल, बराखड़कला निवासी शाहबाज पिता फखरे आलम तथा चौकी हरवंश निवासी श्रीमती कृष्णाबाई पति रामचंद्र कुशवाहा शामिल हैं।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव

प्रत्याशियों ने संघ के अधिवक्ताओं के समक्ष व्यक्त किए अपने विचार

एक मंचीय कार्यक्रम में प्रत्याशियों मे रहा उत्साह

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहसचिव, कार्यकारिणी के प्रत्याशियों ने बुधवार को अधिवक्ताओं के समक्ष अधिवक्ताओं के हित में क्या करेंगे उस पर अपनी बात कही। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रत्याशियों को 5 मिनिट का समय दिया गया था। इस अवधि में अपनी बात रखने के लिए प्रत्याशियों में खासा उत्साह रहा। किसी प्रत्याशी पर कोई टीका टिप्पणी न करते हुए अपने संकल्प से अधिवक्ताओं को अवगत कराने के लिए यह एक मंचीय कार्यक्रम हुआ। सभी पदों के प्रत्याशियों ने कम समय में अपनी बात रखते हुए अधिवक्ताओं के हित के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी टीएस चौहान राजेश अग्रवाल सहायक निर्वाचन अधिकारी रामकुमार दुबे अभिषेक शुक्ला एवं प्रशांत पालीवाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

नर्मदापुरम संभाग में 3 लाख 19 हजार हेक्टेयर में होगी खरीफ की बोवनी

धान की तैयारी में जुट गए किसान, सोयाबीन के विकल्प के रूप में धान को ही प्राथमिकता

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। मानसूनी बारिश शुरू होते ही क्षेत्र का अन्नदाता किसान खरीफ मौसम की बोवनी की तैयारी में जुटने लगे हैं। नर्मदापुरम जिले में इस बार 3 लाख 19 हजार 500 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोवनी होगी। जिसमें 2 लाख 07 हजार हेक्टेयर में धान लगाई जाएगी। खाद और बीज का प्रबंध करने के साथ ही अब धान के रौपों से धान निकाल कर धान लगाने का क्रम शुरू हो गया हैं। इस बार भी 1121 किस्म की बासमती धान और क्रांति धान ही सबसे अधिक लगाई जाएगी।

सोयाबीन का विकल्प है धान

जिले में पूर्व में सबसे अधिक सोयाबीन की खेती होती थी लेकिन सोयाबीन की पैदावार बहुत कम होने तथा कीट व्याधि के कारण सोयाबीन की खेती घाटे का सौदा सिद्ध होने लगी थी। इस कारण किसानों ने विकल्प के रूप में धान को ही प्राथमिकता दी है। जिले के हर ब्लाक के गांव गांव में हर तरफ अब धान लग रही है।

किसानों की अपेक्षा

किसान हेमंत चौधरी, नरेंद्र पटेल, सुदीप पटेल, सुरेंद्र गौर और गणेश गौर का कहना है कि किसानों को हर बार की तरह इस बार भी धान सोयाबीन, मक्का सहित अन्य फसलों के उत्तम क्वालिटी के बीज और खाद की व्यवस्था समय पर हो जाए तो अच्छा रहेगा। दूसरी परेशानी यह है कि पूर्व में बासमती धान के दाम अच्छे मिल जाते थे लेकिन अब कम होते जा रहे हैं। जिससे लागत मूल्य निकल पाना मुश्किल होता है। इसलिए किसान सोचा विचारी कर रहा है।

तीसरे नंबर पर मक्का

मक्का की बोवनी लगभग हो चुकी है। धान सोयाबीन के बाद तीसरा नंबर मक्का का ही है। जिले के केसला ब्लाक् और सिवनी मालवा क्षेत्र में मक्का की बोवनी हो चुकी है। कुछ ही स्थानों पर बोवनी रही है। वह भी बारिश का इंतजार कर रहे थे। सोमवार मंगलवार और बुधवार को हुई हल्की बारिश ने बोवनी को तेज कर दिया है।

इनका कहना है-

'' मानसून की तेज बारिश के बाद किसान सोयाबीन और धान लगाने के साथ ही अन्य खरीफ फसलों की बोवनी में लग जाएंगे। उन्हें बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों के साथ ही विभाग के द्वारा भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। पूर्व की तुलना में इस बार ज्यादा खरीफ फसल की बोवनी होगी।

डॉ रविकांत सिंह,
उप संचालक कृषि नर्मदापुरम

नगर की व्यवस्था सुदृढ़ बनाने किया कार्य विभाजन

सीएमओ श्री देशमुख ने नपा के अधिकारी कर्मचारियों को सौंपे दायित्व

नर्मदापुरम्(निप्र)। नगर में स्वच्छता व्यवस्था, सुगम यातायात, बाजार व्यवस्था, नाले नालियों की सफाई, वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान, शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन सहित अन्य व्यवस्थाओं और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य विभाजन के साथ ही नपा के अधिकारी कर्मचारियों को नए दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देश पर व्यवस्थाएं बनाई जा रही है। सीएमओ श्री देशमुख द्वारा मप्र नगरपालिका अधिनियम 1961 के अंतर्गत धारा (87) के तहत प्रदत्त अधिकार का उपयोग करते हुए राजस्व शाखा का संपूर्ण प्रभार राजस्व उपनिरीक्षक अकबर खान को सौंपा गया है। इसी तरह स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी को स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के नोडल अधिकारी के साथ ही वाहन शाखा का प्रभार के साथ ही भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप स्वच्छ सर्वेक्षण, स्टार रेटिंग, ओडीएफ++एवं वाटर के दस्तावेजीकरण के साथ ही जमीनी स्तर की तैयारी हेतु दायित्व, नगर की सफाई व्यवस्था सुचारू रखने हेतु स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी को वार्ड 1 से लेकर 12 एवं वार्ड 15,16,17 और 28 की जिम्मेदारी तथा सफाई दरोगा कमलेश तिवारी को वार्ड क्रमांक 13, 14 से लेकर 27 तक तथा वार्ड क्रमांक 29 से लेकर 33 का दायित्व सौंपा गया है। वहीं स्वच्छता शाखा में संलग्न समस्त प्रकार के वाहनों तथा ट्रेक्टर, जेसीबी, मिनी ट्रक (ट्रिपर वाहनों को छोड़कर) आदि के संचालन हेतु स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय लुटारे को दात्यिव सौंपा गया है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की पहल से किसानों को मिली बड़ी राहत, शून्य प्रतिशत ब्याज पर मिलने लगा अल्पकालीन ऋण

17 वर्षों बाद ठीकरी सेवा सहकारी समिति में पुनः शुरू हुआ खाद वितरण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सुचारु रूप से खाद उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इसी क्रम में सोहागपुर विकासखंड की ठीकरी सेवा सहकारी समिति में लगभग 17 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पुनः खाद वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में समिति में अल्पकालीन ऋण वितरण सहित समिति का नियमित व्यवसाय बंद हो गया था, जिससे क्षेत्र के किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर उपायुक्त सहकारिता द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए समिति के पात्र किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन ऋण स्वीकृत कराया गया। साथ ही समिति का निलंबित खाद लाइसेंस बहाल कराया गया, पीओएस (POS) मशीन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई तथा किसानों के ई-विकास पोर्टल पर ई-टोकन बुक कराकर खाद वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कराई गई।

दूरस्थ किसानों को घर-घर पहुंचाई जा रही खाद, समिति ने शुरू की नई पहल

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों पर सांडिया समिति ने सहलवाड़ा के किसानों को घर तक पहुंचाई खाद

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जिले में किसानों को सुलभ एवं सुगम खाद वितरण व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के संबंध में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में कृषकों के हित में एक नई पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल के तहत कृषक सेवा सहकारी समिति सांडिया द्वारा पात्र किसानों तक उनके घर पर ही खाद पहुंचाने की व्यवस्था सफलतापूर्वक की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम सहलवाड़ा निवासी किसान मनमोहन बोहरे एवं कमलेश बोहरे को समिति के माध्यम से सीधे उनके घर तक खाद पहुंचाई गई। इस पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया। सबसे पहले किसानों से संपर्क कर टोकन बुकिंग की गई, तत्पश्चात खाद परिवहन के लिए वाहन की समुचित व्यवस्था की गई तथा खाद की शत-प्रतिशत सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करते हुए किसानों से प्राप्ति पावती भी प्राप्त की गई।इसी प्रकार सहकारी समिति सांवलखेड़ा द्वारा ई-टोकन के माध्यम से खाद वितरण की व्यवस्था करते हुए ग्राम पालनपुर निवासी किसान अशोक कुमार वर्मा, श्रीमती अर्चना वर्मा, अमर वर्मा, श्रीमती सविता वर्मा एवं अमन वर्मा तथा ग्राम पररादेह निवासी अशोक कुमार वर्मा एवं आनंद कुमार वर्मा को घर तक खाद उपलब्ध कराई गई। चूंकि सभी किसान एक ही क्षेत्र के निवासी थे, इसलिए ट्रॉलियों की समुचित व्यवस्था कर खाद लोड कराकर सीधे उनके घरों तक पहुंचाई गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों एवं सहकारी समितियों को निर्देशित किया है कि दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा है कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं तथा ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद का वितरण प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक नर्मदापुरम् के द्वारा खाद वितरण, ऋण वसूली एवं ईआरपी. कार्य में लापरवाही बरतने वाले 02 समिति प्रबंधकों को निलंबित किया

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार प्रतिदिन कृषकों को खरीफ, 2026 में कृषि आदान वितरण की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा के दौरान शाखा मुख्य पिपरिया की समिति रामपुर एवं मटकुली में पदस्थ समिति प्रबंधक सुश्री गरिमा बिलासपुरिया एवं बैंक की शाखा शिवपुर की समिति भैसादेह, पगढाल एवं बिसौनीकलां में पदस्थ समिति प्रबंधक दयाशंकर दादौरिया के द्वारा कृषकों को खाद वितरण में लापरवाही बरते जाने संबंधी जानकारी प्राप्त होने पर दोनों समिति प्रबंधकों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह के द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए सुश्री हुए सुश्री गरिमा बिलासपुलिया समिति प्रबंधक एवं दयाशंकर दादौरिया दादौरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर इनका मुख्यालय प्रधान कार्यालय नर्मदापुरम् निर्धारित किया गया। साथ ही बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा खाद वितरण में लापरवाही बरतने पर अन्य 07 समितियों के समिति प्रबंधक / सहायक समिति प्रबंधकों को तत्काल नियमित कृषक सदस्यों को तत्काल खाद वितरण किये जाने के निर्देश दिये गये।

एक पेड़ बेटी के नाम पौधारोपण कार्यक्रम हुआ

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को वार्ड विक्रम नगर रसूलिया में आंगनबाड़ी केंद्र क्र. 94 में एक पेड़ बेटी के नाम के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम किया गया।जिसमें समाजसेवीका श्रीमती पुष्पलता राय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अर्चना गोरेले आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती कविता गौर श्रीमती माधुरी श्रीमती यशोदा श्रीमती अनिता मालवीय, समाजसेवी सूरज तिवारी, सौरभ राय, जीतेंद्र गोरेले, सुभाष मालवीय एवं वार्ड के अन्य महिलाएं कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रही ।

नपा के डेएनयूएलएम द्वारा संचालित स्वसहायता समूह ने बनाई 5 हजार सीड्स बाल

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका के डे एनयूएलएम के तहत संचालित स्वसहायता समूह इन दिनों सीड्स बाल बनाने में जुटे हुए हैं। स्वसहायता समूह द्वारा करीब 5 हजार से अधिक सीड्स बाल तैयार कर लिए गए हैं। डेएनयूएलएम की सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में स्वसहायता समूहों द्वारा सीड्स बाल तैयार किए जा रहे हैं। जिसमें मेकलसुता स्वसहायता समूह की अध्यक्ष कविता राजपूत एवं उनकी सदस्यों द्वारा 5 हजार से अधिक सीड्स बाल तैयार किए गए हैं। यह सीड बाल पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षक के क्षेत्र में नायब तरीका है। इन मिट्टी के बाल्स में विभिन्न प्रजाति के वृक्षों के बीच रखे गए हैं।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर सीईओ जिला पंचायत ने किया उपार्जन एवं खाद भंडारण केंद्रों का औचक निरीक्षण

किसानों को समय पर भुगतान, सुचारु खाद वितरण एवं बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत हिमांशु जैन ने बुधवार को जिले के उपार्जन केंद्रों एवं खाद भंडारण केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, समयबद्ध उपार्जन, शीघ्र भुगतान तथा खाद वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ श्री जैन ने बनापुरा स्थित पालीवाल वेयरहाउस उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर उपज खरीदी, तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों पर आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित की जाए।उन्होंने खरीदी के उपरांत किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीकृति पत्रक (एक्सेप्टेंस नोट) एवं वेयरहाउस रसीद (डब्ल्यूएचआर) तैयार करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लंबित स्थिति नहीं रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने बनापुरा के डबल लॉक सेंटर तथा सांवलखेड़ा सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यूरिया, डीएपी सहित अन्य उर्वरकों के उपलब्ध स्टॉक की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को किसानों की मांग के अनुरूप खाद का नियमित वितरण सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। सीईओ श्री जैन ने उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छायादार विश्राम स्थल एवं बैठने जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले उपार्जन केंद्रों एवं सहकारी समितियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि रविकांत सिंह, जिला विपणन अधिकारी अनिल कुमार जैन, उपायुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में शिक्षा पोर्टल 3.0 पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न, शिक्षकों को मिले व्यवहारिक दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला शिक्षा केंद्र नर्मदापुरम द्वारा शिक्षा पोर्टल 3.0 के प्रभावी संचालन के लिए बुधवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूलों का समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर विद्यालय स्तर पर शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों को सुगम बनाना था।जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल के मार्गदर्शन में हुए इस प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों के एमआईएस प्रभारी और ऑपरेटर शामिल हुए। प्रोग्रामर अजय मीना और मास्टर ट्रेनर संगीता चौरसिया ने प्रतिभागियों को शिक्षक प्रशिक्षण प्रबंधन, शिक्षा का अधिकार आरटीई, निर्माण कार्य, गणवेश और साइकिल वितरण, यू-डाइस प्लस, नामांकन और बाल ट्रैकिंग, विद्यार्थियों के आधार अद्यतन, अपार आईडी और पाठ्यपुस्तक सहित पोर्टल के प्रमुख मॉड्यूलों की व्यवहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने प्रत्येक मॉड्यूल के संचालन की स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया बताई और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

खंड-I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय-उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला-बैतूल, मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 3907/ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 06/07/2026

वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजो का मूल्य
1	इलेक्ट्रीकल्स आईटम	सब आईटम वार निविदा के साथ संलग्न बी.ओ.क्यू. अनुसार	आवश्यकतानुसार	10,000/-	500/-

1 निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2 इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 10/07/2026 शाम 05.00 पीएम बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3 ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
4 ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5 ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www.mptenders.gov.in/

जी/15386/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

वनमंडलाधिकारी
उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com